बुधवार, 6 मई 2026

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

मौसम

तापमान	25 – 33
आर्द्रता	77%
सूर्योदयः 05:01	सूर्यास्तः 18:04

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सरकार ने गन्ने का लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल किया पृष्ठ 8

सुविचार : इंसान जिंदगी में सुख, दुख और हालात के हिसाब से समझदार बनता है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

शुभेंदु अधिकारी ने 'विकसित और सुरक्षित' बंगाल बनाने का लिया संकल्प

भारी जनसमर्थन के लिए जनता का जताया आभार

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा की शानदार चुनावी जीत के एक दिन बाद मंगलवार को इसके वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में पार्टी की नई सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए एक 'विकसित, समृद्ध और सुरक्षित' राज्य के निर्माण का संकल्प लिया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की जनता को 'भारी समर्थन' के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि नई सरकार जन-सेवा और समावेशी विकास को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक विकसित, समृद्ध और सुरक्षित पश्चिम बंगाल के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने वादों को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। सभी के साथ मिलकर, हम एक स्वस्थ, सुंदर और विकसित राज्य का निर्माण करेंगे। राज्य की जनता की सेवा करना नई सरकार का प्राथमिक लक्ष्य होगा। भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताने के लिए मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और जनादेश को 'प्रत्येक राष्ट्रवादी और प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता' की जीत बताया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के संचालन के लिए निर्वाचन आयोग, सरकारी अधिकारियों, केंद्रीय बलों और राज्य एवं कोलकाता पुलिस के कर्मियों को धन्यवाद दिया। शुभेंदु अधिकारी ने दोहराया कि नई सरकार केंद्र के 'विकसित भारत' के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप काम करेगी।

वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों के कर्ज वितरण में 15.9% वृद्धि

नयी दिल्ली : अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 में 15.9 प्रतिशत रही। यह देश में मजबूत आर्थिक गतिविधियों और कर्ज मांग को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 में कुल बकाया ऋण 212.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 29.2 लाख करोड़ रुपये अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि कम ब्याज दर वाले वातावरण, पूंजीगत व्यय चक्र को सरकार के समय पर किए गए संरचनात्मक सुधारों से और निजी निवेश में वृद्धि के कारण घरेलू ऋण मांग को बल मिला है।

बंगाल के नये मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण शनिवार को होने की संभावना

सीएम की दौड़ में शुभेंदु अधिकारी सबसे आगे

अमित शाह केंद्रीय पर्यवेक्षक और ओडिशा के सीएम सह-पर्यवेक्षक नियुक्त

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख भी तय हो गई है। नई सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी नौ मई को कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती के दिन आयोजित किया जाएगा। चुनाव नतीजों के एक दिन बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में इसकी जानकारी दी। हालांकि, नए मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। पार्टी के संसदीय बोर्ड ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता यानी नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए मंगलवार को केंद्रीय पर्यवेक्षक जबकि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में होने की संभावना है। हालांकि, भाजपा ने स्थान की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पूरी संभावना है कि बंगाल में पहली बार भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद शपथ समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए ब्रिगेड मैदान में इसका आयोजन हो सकता है, जिसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

शपथ समारोह में मोदी-शाह समेत कई दिग्गज रहेंगे मौजूद

भाजपा सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। प्रदेश भाजपा के अनुसार, पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक इस समारोह का गवाह बनेंगे।

राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई भाजपा सरकार

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि नई भाजपा सरकार का संचालन राइटर्स बिल्डिंग (पुराने राज्य सचिवालय) से किया जाएगा। यानी, निवर्तमान मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने जिस नवान्न बिल्डिंग (नए राज्य सचिवालय) से 15 साल तक राज्य में शासन चलाया, उसकी जगह भाजपा पुराने राज्य सचिवालय से सत्ता चलाएगी। इस बीच, राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों व इंजीनियरों ने मंगलवार दिन में राइटर्स बिल्डिंग का दौरा कर जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, राइटर्स बिल्डिंग से फिलहाल मुख्यमंत्री कार्यालय सहित कुछ महत्वपूर्ण विभागों के कार्यालय संचालित होंगे और फिर धीरे-धीरे यहां विभागों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

विदेशों से धन भेजे जाने में भारत 137 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर बरकरार: संयुक्त राष्ट्र संस्था

नयी दिल्ली : भारत ने वर्ष 2024 में 137 अरब डॉलर से अधिक राशि विदेशों से धनप्रेषण के रूप में हासिल कर दुनिया में शीर्ष स्थान बरकरार रखा और वह 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार करने वाला एकमात्र देश रहा। संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) की तरफ से जारी 'विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026' के मुताबिक, भारत विदेशों से लगातार सबसे अधिक प्रेषण पाने वाला देश बना हुआ है। भारत के बाद मेक्सिको का स्थान है। वर्ष 2024 में भारत, मेक्सिको, फिलीपीन और फ्रांस वैश्विक स्तर पर धनप्रेषण पाने के मामले में शीर्ष चार देशों में शामिल रहे। रिपोर्ट कहती है कि भारत को 2024 में 137.67 अरब डॉलर का प्रेषण मिला, जो अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक है। 2010 में भारत के लिए यह आंकड़ा 53.48 अरब डॉलर था, जो 2015 में 68.91 अरब डॉलर, 2020 में 83.15 अरब डॉलर और 2024 में बढ़कर 137 अरब डॉलर से अधिक हो गया। क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया में 2024 के दौरान प्रेषण में 11.8 प्रतिशत की सबसे तेज वृद्धि का अनुमान है। इसमें भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश को मिले मजबूत प्रवाह की अहम भूमिका रही। रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च आय वाले देश इस धनप्रेषण के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं। अमेरिका से 2024 में सर्वाधिक 100 अरब डॉलर से अधिक राशि दूसरे देशों को भेजी गई। उसके बाद सऊदी अरब (46 अरब डॉलर से अधिक), स्विट्जरलैंड (करीब 40 अरब डॉलर) और जर्मनी (लगभग 24 अरब डॉलर) का स्थान रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पढ़ाई करने वाले छात्रों में एशियाई देशों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। वर्ष 2022 में चीन के 10 लाख से अधिक छात्र विदेशों में पढ़ रहे थे, जबकि भारत विदेश में पढ़ने वाले 6.2 लाख छात्रों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय प्रवासी समुदाय को देश के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया गया है। इसके साथ ही, रिपोर्ट ने 'ब्रेन ड्रेन' की चुनौती को 'ब्रेन गेन' में बदलने के लिए नीतिगत उपायों की जरूरत पर भी बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने फुजैरा पर हमलों की निंदा की, कहा: यूएई के साथ खड़ा है भारत

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शहर फुजैरा पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की और कहा कि भारत खाड़ी देश के साथ पूरी तरह से एकजुटता से खड़ा है। इस हमले में तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। मोदी ने एक दिन पहले फुजैरा के एक प्रमुख तेल उद्योग क्षेत्र पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की, जिसमें भारतीय घायल हो गए। संयुक्त अरब अमीरात ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, ''यूएई पर हुए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिनमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। आम नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है।'' उन्होंने कहा, ''भारत यूएई के साथ पूरी तरह एकजुट है और सभी मुद्दों के संवाद एवं कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराता है।'' फुजैरा शहर पर हमला ऐसे समय में हुआ है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि ''होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्व-पूर्ण है।''

भाजपा के खाते में एक सीट और जुड़ी, कुल संख्या 207 हुई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त करने के एक दिन बाद मंगलवार को भाजपा की सीटों की संख्या बढ़कर 207 हो गई। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की सीटों की यह संख्या राजारहाट-न्यू टाउन सीट पर वोटों की दोबारा गिनती होने के बाद पार्टी को मिली जीत के कारण हुई, जिसने पहले से ही ऐतिहासिक माने जा रहे इस चुनावी फैसले में नाटकीयता का एक और पहलू जोड़ दिया। यह अतिरिक्त सीट तब मिली जब भाजपा उम्मीदवार पीयूष कनोडिया ने वोटों की दोबारा गिनती होने के बाद, तृणमूल कांग्रेस के दो बार के विधायक तापस चटर्जी को महज 309 वोटों के मामूली अंतर से हरा दिया। इस जीत ने पार्टी की कुल सीटों की संख्या को 206 से बढ़ाकर 207 कर दिया। वोटों की गिनती के 18 दौर पूरे होने के बाद, कनोडिया को 1,06,564 वोट मिले जबकि चटर्जी को 1,06,255 वोट मिले। मंगलवार को एक और सीट अपने खाते में आने के बाद भाजपा 148 सीटों के बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल गई है।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में नयी विधानसभा के गठन के लिए अधिसूचना जारी की

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य में नयी विधानसभा के गठन के लिए मंगलवार को एक अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को भेज दी गई है, जो औपचारिक रूप से चुनावी प्रक्रिया की समाप्ति का संकेत है और नयी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करती है। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजों की घोषणा के बाद, अधिसूचना जारी करना एक अहम संवैधानिक कदम है। अधिकारी ने कहा कि इसके साथ ही, पश्चिम बंगाल में नयी विधानसभा के गठन की प्रक्रिया आयोग की तरफ से पूरी हो गई है। इससे तय प्रक्रियाओं के तहत सरकार बनाने के अगले कदम उठाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि आयोग ने चुनावों के संचालन के दौरान सभी मानदंडों का पालन सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि मतदान से लेकर मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया, वैधानिक ढांचे के अनुरूप, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस अधिसूचना से निर्वाचित प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण और राज्य में नयी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सरकार गठन के लिए विजय को समर्थन देने की तैयारी में कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता विजय को समर्थन देने की तैयारी में है और इसकी जल्द ही घोषणा की जा सकती है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नेताओं की मंगलवार रात हुई एक ऑनलाइन बैठक में इस पर सहमति जताई गई कि विजय को धर्मनिरपेक्ष सरकार के गठन के लिए समर्थन देना चाहिए। सूत्रों का कहना है कि इस बारे में अंतिम फैसला बुधवार को किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार अभी इस बात को लेकर मंत्रणा जारी है कि विजय के साथ जाने की स्थिति में सरकार का बाहर से समर्थन करना है या फिर सरकार का हिस्सा बनना है। विजय ने कांग्रेस नेतृत्व को पत्र भेजकर समर्थन का आग्रह किया था। इसको लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर के बीच मंत्रणा हुई और फिर कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य इकाई को निर्देश जारी किया कि वह राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्णय ले। कांग्रेस ने यह भी कहा कि तमिलनाडु का जनादेश धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए है और वह भाजपा तथा उसके प्रतिनिधि समूहों को सत्ता से दूर रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, टीवीके अध्यक्ष विजय ने कांग्रेस से तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए समर्थन का अनुरोध किया है।

मंत्रिमंडल ने 23,437 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : सरकार ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की लगभग 23,437 करोड़ रुपये लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में नागदा-मथुरा, गुंतकल-वाडी और बुरहवाल-सीतापुर खंडों पर तीसरी एवं चौथी रेल लाइन का निर्माण शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में परियोजना को मंजूरी दी गयी। एक सरकारी प्रेस नोट के मुताबिक, रेल लाइनों की बढ़ी हुई क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी। इन बहु-लाइन परियोजनाओं से संचालन सुगम होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि ये रेल खंड भीड़भाड़ वाले रेल मार्गों का हिस्सा हैं और नई लाइनें प्रमुख शहरों एवं कस्बों के बीच परिचालन को अधिक सुगम बनाएंगी। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं 'प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत बहु-स्तरीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 19 जिलों को कवर करने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेल नेटवर्क में करीब 901 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इससे लगभग 4,161 गांवों की करीब 83 लाख आबादी को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। इन परियोजनाओं से महाकालेश्वर मंदिर, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, कूनो राष्ट्रीय उद्यान, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, मथुरा, वृंदावन और नैमिषारण्य जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की संपर्क सुविधा भी बेहतर होगी। माल ढुलाई के लिहाज से ये रेल मार्ग कोयला, खाद्यान्न, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात, लौह अयस्क, कंटेनर और उर्वरक जैसे उत्पादों की ढुलाई के लिए अहम हैं। क्षमता बढ़ने से सालाना छह करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की संभावना है। रेल मंत्री ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय लाभों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे तेल आयात में करीब 37 करोड़ लीटर की कमी आएगी और कार्बन उत्सर्जन में 185 करोड़ किलोग्राम की कमी होगी, जो करीब सात करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

न्यू मार्केट में चला बुलडोजर

कोलकाता : कोलकाता के हॉग मार्केट, जिसे न्यू मार्केट से भी जाना जाता है वहां देर रात बवाल हो गया। आरोप है कि अचानक भीड़ बुलडोजर लेकर इलाके में पहुंची और टीएमसी दफ्तर पर हमला कर दिया।जानकारी के अनुसार, जिस इलाके में कार्रवाई हुई वह रेस्टोरेंट्स और मार्केट एरिया के लिए जाना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस ढांचे को गिराया गया, वह पार्टी ऑफिस था और उसी को निशाना बनाया गया।

अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

अभिषेक बनर्जी ने चुनाव नतीजों के बाद व्यापक हिंसा का दावा करते हुए कहा कि भाजपा समर्थकों ने उत्सव के नाम पर राज्य भर में 300 से 400 पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की। उन्होंने यह भी दावा किया कि उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर में विजयी टीएमसी उम्मीदवार बीना मंडल के घर में तोड़फोड़ की गई और उनकी कार को नुकसान पहुंचाया गया।

हिंसा की खबरों पर चुनाव आयोग सख्त

पश्चिम बंगाल में मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद हिंसा की खबरों पर चुनाव आयोग ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने मंगलवार को राज्य प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि चुनाव के बाद होने वाली किसी भी तरह की हिंसा को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला, डीजीपी सिद्ध नाथ गुप्ता और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का आदेश दिया है।

पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल के वायदा कीमत में गिरावट

नयी दिल्ली : कमजोर वैश्विक रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चा तेल की कीमत 143 रुपये की गिरावट के साथ 9,914 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का मई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 143 रुपये या 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,914 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 18,277 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने जमा सौदों की कटान करने से कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.42 डॉलर प्रति बैरल रह गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 1.10 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता 113.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

मंत्रिमंडल ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में 33 न्यायाधीश और प्रधान न्यायाधीश हैं। इस संख्या को चार और बढ़ाने के लिए संसद के अगले सत्र में एक विधेयक लाया जाएगा। संसद द्वारा विधेयक पारित होने के बाद, उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 38 हो जाएगी। मूल रूप से लागू उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) कानून 1956 में प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 10 निर्धारित की गई थी। उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1960 द्वारा इस संख्या को बढ़ाकर 13 कर दिया गया था और कानून में एक अन्य संशोधन द्वारा इसे बढ़ाकर 17 कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1986 के तहत प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों की संख्या 17 से बढ़ाकर 25 कर दी गई थी। इसके बाद, 2009 में एक नए संशोधन के माध्यम से शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या 25 से बढ़ाकर 30 कर दी गई। उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2019 पारित होने के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या आखिरी बार 30 से बढ़ाकर 33 (प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर) की गई थी।

अमेरिका में भारतीय कंपनियों का 1.1 अरब डॉलर निवेश

वाशिंगटन : भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 'एयरोस्पेस', रक्षा, ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की मंगलवार को घोषणा की। यह घोषणा यहां के पास मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित निवेश शिखर सम्मेलन में की गई। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी वाणिज्य उप मंत्री विलियम किम्मिट ने यहां कहा, इस शिखर सम्मेलन में 12 भारतीय कंपनियों ने 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणा की है। इस सम्मेलन (सेलेक्टयूएसए) में किसी एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा की गई यह अब तक की सबसे बड़ी घोषणा है। उन्होंने कहा कि ये निवेश 'एयरोस्पेस' और रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्रों में किए जाएंगे। इस भारतीय निवेश से अमेरिका में 1,500 नौकरियां सृजित होंगी।

इस्तीफा नहीं दूंगी, चुनाव परिणाम जनादेश नहीं बल्कि 'साजिश' : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार किया और आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव का परिणाम 'जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश' है। उन्होंने पद छोड़ने से इनकार करते हुए कहा कि मैं पद क्यों छोड़ूं? हम हारे नहीं हैं। जनादेश लूटा गया है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है? उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमारी हार जनता के जनादेश से नहीं बल्कि एक साजिश से हुई है... मैं हारी नहीं हूं, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। ममता ने मतगणना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीट की 'लूट' हुई है और उनकी पार्टी का मनोबल तोड़ने के लिए मतगणना की गति जानबूझकर धीमी की गई। उन्होंने कहा कि हम भाजपा से नहीं लड़ रहे थे; हम निर्वाचन आयोग से लड़ रहे थे, जो भाजपा के लिए काम कर रहा था। मैंने अपने पूरे राजनीतिक करियर में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें 'कल मतगणना केंद्र के अंदर लात मारी गई, धकेला गया और बदसलूकी की गई। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय बल के जवान मतगणना केंद्रों के बाहर 'गुंडों' जैसा व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए कहा, 'इतिहास में एक काला अध्याय लिख दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त खलनायक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मैं कुर्सी पर थी, मैंने बहुत कुछ सहन किया। अब मैं एक स्वतंत्र पंछी हूँ, एक आम इंसान हूँ। मैं एक जमीनी कार्यकर्ता हूँ। मैं सड़कों पर रहूँगी और सभी अत्याचारों के खिलाफ लड़ूँगी। साथ ही, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संवैधानिक विकल्प अभी भी खुले हैं। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा, 'वे संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं। ममता ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान केंद्रित करने की भी कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि वह विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने पर काम करेंगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मुझे फोन करके एकजुटता व्यक्त की। सोनिया जी और राहुल गांधी ने भी मुझसे बात की है। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं के भी फोन आए।

ममता बनर्जी को इस्तीफा देना ही होगा: विशेषज्ञ

नयी दिल्ली :.पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने के रुख पर संवैधानिक विशेषज्ञों ने कहा है कि उनके पास पद छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उनका कहना है कि नई सरकार के गठन के साथ ही उनका कार्यकाल स्वतः समाप्त हो जाएगा।संविधान विशेषज्ञ पी.डी.टी. आचारी ने कहा कि एक राज्य में दो मुख्यमंत्री नहीं हो सकते, इसलिए नए मुख्यमंत्री के शपथ लेते ही बनर्जी को पद छोड़ना होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत सिन्हा और राकेश द्विवेदी ने भी यही राय दी कि बहुमत प्राप्त दल को सरकार बनाने का अधिकार है और राज्यपाल उसी के नेता को आमंत्रित करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही मौजूदा सरकार का अधिकार भी खत्म हो जाता है।

मौलिक प्रतिभा के विकास में हैं बाधक

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलतः वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने यानी कुछ विषयों अनुतीर्ण होने से बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेदह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए, जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई-कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है।

दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलतः कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर-तरीकों से छात्रों को 'स्पून फीडिंग' की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार-बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ-स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं। कई जगह होने वाले आत्मघात के पीछे यह कारण भी हो सकता है। वहीं टॉपर छात्रों को मीडिया तथा सोशल मीडिया में कोचिंग संस्थानों व अभिभावकों द्वारा सेलिब्रिटी की तरह पेश किया जाता है, जिससे वे इस ग्लैमर से ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते हैं। वहीं परिवार का दबाब भी तनाव बढ़ाता है। इस गंभीर स्थिति का समाधान नीति-नियंताओं का करना चाहिए।

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बीजेपी की 'वोट चोरी' के खिलाफ क्यों कोई 'जेपी-अन्ना' सामने नहीं आता

संजय सक्सेना

भारत की पवित्र भूमि सदैव संतों, साधुओं और महानायकों की धरोहर रही है। हर कोने में ऐसे पराक्रमी पुरुष और नारियां जन्म लेती रही हैं जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। अंग्रेजी राज के विरुद्ध महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने प्राणों की बाजी लगा दी। आजादी के बाद भी जब सत्ता के नशे में कोई सरकार तानाशाही का रंग दिखाने लगी, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण 'जेपी' जैसे योद्धाओं ने सत्ता की नींव हिला दी। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने न्यायालय के एक निर्णय के विरुद्ध पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया, तो जयप्रकाश नारायण ने ऐसा प्रलयंकारी आंदोलन खड़ा किया कि कांग्रेस की सत्ता जड़ से उखड़ गई। इस आंदोलन में कांग्रेस छोड़कर आए विपक्ष के अनेक प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें आचार्य जे.बी. कृपलानी, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, चरण सिंह, जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये, राज नारायण, कर्पूरी ठाकुर, शरद जोशी, दीनदयाल उपाध्याय के अनुयायी और भी कई दिग्गज थे। इन सबने जयप्रकाश के नेतृत्व में एकजुट होकर तानाशाही के विरुद्ध जनसैलाब खड़ा कर दिया। यह घटना भले ही पचास वर्ष पुरानी हो, किंतु इसके समान अनेक आंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। लेकिन सवाल यह है कि आज जब कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी से सत्ता हथियाने का आरोप लगा रहा है, तब बीजेपी विरोधी नेता मीडिया में शोर मचाने की बजाय जनता को संगठित कर आंदोलन क्यों नहीं खड़ा कर रहे हैं? क्या विपक्ष में जयप्रकाश जैसा कोई नायक नहीं है? या फिर भारतीय जनता पार्टी को देष की जनता उसकी विचारधारा के चलते हाथों हाथ ले रही है। इसी का परिणाम है पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार का आना और असम में बीजेपी का हैट्रिक लगाना। बीजेपी की इस जीत को विपक्ष बीजेपी की वोट चोरी बता रहा है।

जयप्रकाश का ऐतिहासिक विद्रोह

भारत माता की गोद में एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण, जिन्हें सब लोकनायक कहते थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सिपाही रहे। बिहार भूमि के इस सपूत ने गांधीजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा। आजादी मिलने के बाद वे समाजवादी धारा के प्रखर नेता बने। 1971 के चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड विजय के बाद भ्रष्टाचार और कुशासन चरम पर पहुंच गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित कर दिया। इससे घबराई इंदिरा ने 25 जून को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। प्रेस पर ताले लग गए, विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूंस दिया गया। संपूर्ण अधिकार निलंबित हो गए। इसी अंधेरे में जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। उनका नारा था, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। इस आंदोलन ने राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर लिया। बिहार से शुरू होकर गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक तक फैल गया। छात्र, किसान, मजदूर, बुद्धिजीवी सब सड़कों पर उतर आए। जयप्रकाश ने सम्पूर्ण क्रांति का मंत्र दिया, जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षिक सभी क्षेत्रों में परिवर्तन की बात थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस आंदोलन से प्रभावित होकर दलबदल लिया। मोरारजी देसाई जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी ने त्यागपत्र दे दिया। आचार्य कृपलानी ने भारतीय लोक दल बनाया। चरण सिंह किसान नेता के रूप में आगे आए। जनसंघ के अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी ने इस आंदोलन में पूरे जोश से भाग लिया। समाजवादी धड़े से जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये ने भूमिगत रहकर आंदोलन चलाया। राज नारायण ने इंदिरा को हराकर लोकसभा पहुंचे। इन सबने मिलकर 1977 के चुनावों में कांग्रेस को धूल चटा दी। जनता पार्टी बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री। जयप्रकाश का आंदोलन सिद्ध करता है कि जनशक्ति सत्ता को घुटनों पर ला सकती है।

अन्य ऐतिहासिक आंदोलन

जयप्रकाश का आंदोलन अकेला नहीं था। भारत ने अनेक बार जन आक्रोश देखा है जो सत्ताधारियों को झुकने पर मजबूर कर गया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध वी.पी. सिंह सरकार के विरुद्ध लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली। यह राम जन्मभूमि आंदोलन का रूप ले लिया। लाखों कारसेवक अयोध्या पहुंचे। इससे भाजपा मजबूत हुई और सरकार गिरी। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध रामलीला मैदान में अनशन किया। लाखों लोग दिल्ली की सड़कों पर उतरे। संसद में लोकपाल विधेयक पर बहस छिड़ गई। यूपीए सरकार को घुटने टेकने पड़े। अन्ना को जनता का दूसरा जयप्रकाश कहा गया। 1974 के गुजरात नवनिर्माण आंदोलन में छात्रों ने मोरारजी देसाई के नेतृत्व में चिमनभाई पटेल सरकार गिराई। यह जयप्रकाश आंदोलन का पूर्व संकेत था। 1980 के दशक में किसान आंदोलनों ने महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश में सरकारों को हिलाया। शरद जोशी के शेतकारी संगठन ने महाराष्ट्र में खाद्य नीति बदली। 1992 के बाद भी बाबरी विध्वंस के बाद कई राज्य सरकारें बदलीं। 2019-2020 में नागरिकता संशोधन विधेयक के विरुद्ध शाहीन बाग में महिलाओं ने महीनों धरना दिया। इससे भाजपा को कई सीटें गंवानी पड़ीं। 2020-2021 के किसान आंदोलन ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करा दिया। राकेश टिकैत जैसे नेता उभरे। दिल्ली की सीमाओं पर लाखों किसान डटे रहे। मोदी सरकार को कानून वापस लेने पड़े। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि संगठित जनआंदोलन किसी भी सत्ता को डिगमगा सकता है। मीडिया शोर से कुछ नहीं होता, सड़क पर जनता उतरे तो परिवर्तन होता है।

विपक्ष का बीजेपी पर वोट चोरी आरोप

आजादी के 79 वर्ष बाद भी राजनीति में वही पुरानी बीमारियां हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने भाजपा पर मतों की चोरी का आरोप लगाया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर संदेह जताया। कई स्थानों पर मतगणना में विसंगतियां बताईं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल, द्रमुक जैसे दल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। किंतु कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं। विपक्ष मीडिया स्टूडियो में चीखता-चिल्लाता रहता है। टेलीविजन बहसों में आरोप लगाता है, किंतु सड़क पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं। क्या कारण है? जयप्रकाश जैसा नायक क्यों नहीं उभर रहा? क्या विपक्ष में एकजुटता की कमी है? क्या नेता स्वार्थी हो गए हैं? जयप्रकाश के समय विपक्ष के नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा त्याग कर एकजुट हुए थे। आज प्रत्येक दल अपनी कुर्सी बचाने में लगा है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, स्टालिन जैसे नेता अलग-अलग बयानबाजी करते हैं। कोई राष्ट्रीय नेता आगे नहीं आ रहा जो सभी को एक सूत्र में बांधे। वोट चोरी के प्रमाण जुटाने के बजाय सोशल मीडिया पर मीम्स और वीडियो चल रहे हैं। जयप्रकाश ने गांव-गांव जाकर जनता को जगाया था। आज विपक्ष शहरों तक सीमित है। किसान आंदोलन में विपक्ष शामिल नहीं हुआ, नागरिकता विरोध में भी फूट पड़ी। भाजपा मजबूत संगठन के साथ खड़ी है। विपक्ष के पास जनाधार कमजोर पड़ गया है। युवा वर्ग बेरोजगारी से त्रस्त है, किंतु विपक्ष उसे संगठित नहीं कर पा रहा। क्या यह विपक्ष की थोथी चीखें हैं? जयप्रकाश न होने का प्रमाण तो यही है कि आरोप लगाने वाले खुद आंदोलन से डरते हैं।

आंदोलन की शक्ति और सबक

बहरहाल, इतिहास गवाह है कि सच्चा परिवर्तन सड़क से आता है। जयप्रकाश ने साबित किया कि बिना हिंसा के भी सत्ता हिलाई जा सकती है। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनलहर खड़ी की। किसानों ने दिल्ली को घेरा। इनमें सफलता का रहस्य था- स्पष्ट मुद्दा, नैतिक नेतृत्व, जनभागीदारी। वोट चोरी के विरुद्ध अगर विपक्ष आंदोलन चलाए, तो ईवीएम की पारदर्शिता पर बहस छिड़ सकती है। प्रत्येक बूथ में लाखों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरें। वीआईपी सत्यापन बढ़े। कागजी मतपत्रों की मांग हो। किंतु इसके लिए जयप्रकाश जैसा त्यागी नेता चाहिए जो सत्ता की लालच न करे। इसके बजाये विपक्ष को जयप्रकाश मॉडल अपनाना चाहिए। पहले आंतरिक एकजुटता। फिर ग्रामीण स्तर पर जागृति। छात्रों, किसानों, मजदूरों को जोड़ें। मीडिया शोर छोड़ें, जनसभाएं करें। यदि ऐसा न हुआ, तो आरोप थोथे सिद्ध होंगे। भाजपा पर वोट चोरी का इल्जाम लगाना आसान है, किंतु साबित करने के लिए जेपी जैसा आंदोलन चाहिए। देश की जनता इंतजार कर रही है। क्या विपक्ष में कोई लोकनायक जन्म लेगा? यह प्रश्न समय के गर्भ में है। किंतु इतिहास सिखाता है, जनता जागेगी तो सत्ता झुकेगी। वर्ना विपक्ष थोथे चने की तरह बजता ही रहेगा।

-वरिष्ठ पत्रकार

आज का पंचांग

कोलकाता : 6 मई, बुधवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष चतुर्थी, 07:51 तक, नक्षत्र : मूल, 15:45 तक, योग : सिद्ध, 25:04 तक, सूर्योदय: 05:04, सूर्यास्त: 18:02, चन्द्रोदय : 22:53, चन्द्रास्त: 08:46, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 12:10 से 13:47

राशिफल

मेष : आज आपको रिश्तों की डोर को संभालकर चलना होगा। प्यार और समझदारी ही आपकी ताकत बनेगी। जीवनसाथी आपकी किसी बात से आहत हो सकते हैं।

वृष : आज का दिन खुशियों की सौगात लेकर आया है, खासकर छात्रों के लिए। नया कोर्स या नई शुरुआत सफलता की राह खोल सकती है। आमदनी के नए रास्ते बनेंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन : आज आपका हुनर ही आपकी पहचान बनेगा। कला और कौशल में निखार आपको अलग मुकाम देगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

कर्क : आज धन के मामले में राहत मिलेगी और आप खुद को हल्का महसूस करेंगे। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको सच्ची खुशी देगा। आपके लिए नए रास्ते खुल सकते हैं।

सिंह : आज का दिन संतुलन का है। आमदनी बढ़ेगी और इससे खुशी भी मिलेगी। नए लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा, जो आगे चलकर फायदेमंद साबित होगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या : आज दोस्ती और जिम्मेदारी। दोनों साथ-साथ चलेंगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे, लेकिन काम को भी नजरअंदाज नहीं करेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

तुला : आज का दिन थोड़ा मिला-जुला रहेगा। आप खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऑफिस में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। लेनदेन करने से बचें।

वृश्चिक : आज चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपको पीछे नहीं हटना। हिम्मत ही आपकी असली ताकत है। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु : आज खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन इसके साथ ही आप अपने भविष्य को लेकर गंभीर सोच में डूबे रहेंगे। मां की ओर से कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

मकर : आज आपके दिमाग में नए-नए आइडिया चमकेंगे, जो बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। पार्टनरशिप के योग बन रहे हैं। सरकारी योजना में निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए बेहतर साबित होगा। छात्रों को पढ़ाई से जुड़ी कोई खास चीज मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में राजनीति से दूर रहना ही समझदारी है।

मीन : आज आपके चारों ओर खुशियों का माहौल रहेगा और मुनाफा भी अच्छा मिलेगा। ऑफिस में आपको कोई सरप्राइज या उपहार मिल सकता है। काम के सिलसिले में यात्रा लाभदायक रहेगी।

वर्ग पहेली नं. 3430

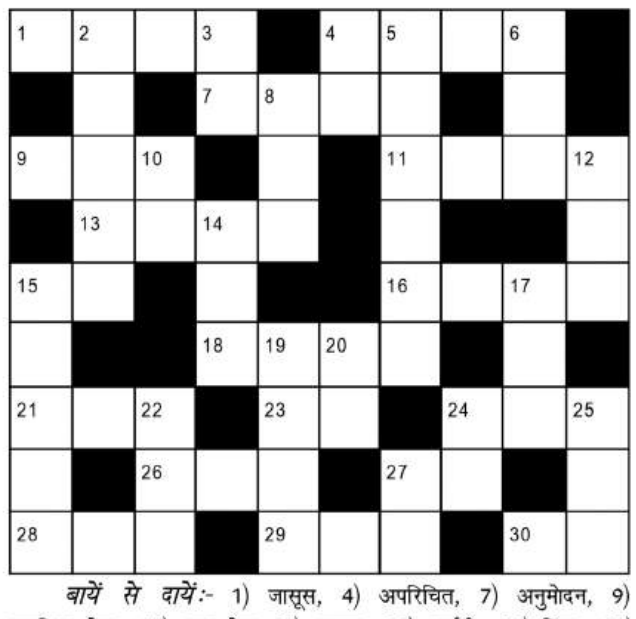

ऊपर से नीचे:- 2) ग्राहक, 3) स्वाद, 4) तथ्य, 5) भूमिजा, 6) चुनना, 8) लेकिन, 10) अर्थ, 12) के बिना, 14) एक दानेदार फल, 15) हिमालय की सबसे ऊँची चोटी, 17) दैत्य, 19) लुप्त, 20) स्त्रीलिंगी सजीव, 22) एक चर्मवाद्य, 24) भिन्न, 25) गंदा, 27) वीर. *(उत्तरः अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) जासूस, 4) अपरिचित, 7) अनुमोदन, 9) मानसिक ठेस, 11) एक पेड़, 13) दरदरा, 15) पार्वती, 16) नित्य, 18) स्वेच्छाचार, 21) चिंतित; संदिहशील, 23) पितापिता, 24) भारत का एक राज्य, 26) छौंक, 27) कुछ नहीं, 28) रसयुक्त, 29) प्रथा, 30) हतौड़ा.

पिछली पहेली का उत्तर

न	क	ली		वि	शा	ल		अ	स्त्र
	री		सा	दा		गा	ड़	ना	
त	ब	क़	डी		सी	ता		स्था	न
ल		ल्ल		अ	खा	र	ना		ज़
क	मी		क	ल्पना		पा	म	र	
	च	क	ला			वि	क	ल	
बो	ना		कं	धा	व	र		ना	टा
झि		म	द		त	ला	क़		ल
ल	ड़ा	ना		खू	न		द	बा	ना

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3388

3						9	7	
2	9			6	3			
							2	
4		6			5			
			9	4		8		7
7				3		4		2
	4			8		1	3	
5	1							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3387 का उत्तर

3	5	4	9	1	6	7	2	8
9	1	2	8	7	3	4	6	5
7	6	8	4	5	2	1	3	9
6	3	7	1	9	5	2	8	4
2	8	5	7	3	4	6	9	1
4	9	1	6	2	8	3	5	7
5	7	6	2	4	9	8	1	3
1	2	3	5	8	7	9	4	6
8	4	9	3	6	1	5	7	2

प्रशासन चुनाव बाद हिंसा में शामिल लोगों की पार्टी देखे बिना उनके खिलाफ कार्रवाई करे : समिक भट्टाचार्य

हिंसा की घटनाओं को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर उच्च स्तरीय चर्चा हुई

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के एक दिन बाद पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को प्रशासन से आग्रह किया कि वह चुनाव के बाद हिंसा करने वालों के खिलाफ उनकी राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना कड़ी कार्रवाई करे। विधाननगर स्थित पार्टी कार्यालय में शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद, समिक भट्टाचार्य ने संवाददाताओं से कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए गए भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव के बाद किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर भाजपा का कोई भी सदस्य हिंसा में शामिल पाया जाता है, तो हमें उसे पार्टी से निकाल देंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से अपील की कि हिंसा की घटनाएं जहां भी सामने आएं, वहां त्वरित प्रशासनिक हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मैं प्रशासन से आग्रह करता हूं कि जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां आवश्यक कार्रवाई की जाए। पश्चिम बंगाल की जनता ने

भाजपा को इसीलिए चुना है। भट्टाचार्य ने पार्टी को जबरदस्त जनादेश देने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने उन प्रवासी श्रमिकों के प्रति खास तौर पर आभार जताया, जो चुनौतियों के बावजूद वोट डालने के लिए बंगाल आए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को भाजपा के विधाननगर कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षकों और राज्य के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इस बैठक में नतीजों की घोषणा के बाद हिंसा की संभावित घटनाओं को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई। भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने और जीत के जश्न को हिंसक न होने देने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मैं अपने कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने, खुश रहने और पार्टी की ओर से सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह करता हूं। जश्न के नाम पर किसी को चोट न पहुंचाएं और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं।

Change of Name

I, Naresh Prasad, son of Sohar Mahato, residing at 38/16, FakirBagan Lane, Howrah-711106, do hereby solemnly affirm and declare that my actual name is Naresh Prasad and Naresh Prasad and Naresh Mahato is same and one identical person via affidavit in the Court of Learned 1st Class Judicial Magistrate at Kolkata dated 30th April 2026.

Change of Name

I, Santosh Kumar Mishra, son of Anjani Kumar Mishra, residing at CG-82, Saltlake, Purta Bhawan, Sector-2, Bidhannagar(M), Kolkata-700091, do hereby solemnly affirm and declare that my actual name is Santosh Kumar Mishra and Santosh Kumar Mishra and Santosh Mishra is the same and one identical person before the Ld Judicial Magistrate 1st Class Kolkata dated 24th April 2026.

किशोर दत्ता ने राज्य के महाधिवक्ता पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता, समाज्ञा : किशोर दत्ता ने मंगलवार को राज्य के महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दत्ता ने राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया। बता दें कि एस एन मुखर्जी के इस्तीफे के बाद, दत्ता को 16 दिसंबर, 2023 को दूसरे कार्यकाल के लिए महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था। मुखर्जी ने दत्ता के पहले कार्यकाल के बाद महाधिवक्ता का पदभार संभाला था। दत्ता इससे पहले फरवरी 2017 से सितंबर 2021 तक महाधिवक्ता रहे थे। दत्ता ममता बनर्जी सरकार में राज्य के पांच महाधिवक्ताओं में एक थे।

भाजपा के वकीलों ने फिलहाल सरकार के खिलाफ आदेश टालने का अदालत से किया अनुरोध

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ से जुड़े वकीलों ने मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह राज्य में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया के चलते फिलहाल राज्य सरकार के खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित न करे। वकीलों- राजदीप मजूमदार, धीरज त्रिवेदी और सुष्मिता साहा दत्ता, ने विभिन्न अदालतों में यह मुद्दा उठाते हुए अनुरोध किया कि भाजपा की नयी सरकार के सत्ता में आने और कामकाज संभालने तक राज्य सरकार के खिलाफ कोई नकारात्मक निर्देश कुछ दिनों के लिए पारित न किये जाएं। दत्ता के अनुसार, उन्होंने मामले का विशेष उल्लेख मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल के समक्ष किया, जिन्होंने कहा कि वह इस मौखिक अनुरोध पर विचार करेंगे।

निर्वाचन आयोग ने प्रशासन को चुनाव बाद हिंसा को कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपनाने को कहा

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को राज्य के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला, डीजीपी सिद्धनाथ गुप्ता और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को निर्देश दिया कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा की किसी भी घटना को लेकर ''कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति'' अपनाएं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने यह निर्देश तब जारी किया, जब राज्य में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में कथित तौर पर दो लोगों की हत्या कर दी गई और कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। अधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शांति बनी रहे और इसे बिगाड़ने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाए। निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे चुनाव के बाद होने वाली किसी भी तरह की हिंसा के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करें। इस संबंध में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति होनी चाहिए, चाहे इसमें कोई भी शामिल हो। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकारियों और केंद्रीय बलों- दोनों को ही सतर्क रहने तथा किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के बीच घनिष्ठ समन्वय पर ज़ोर दिया गया है।

राज्य सरकार ने बेहतर अभिलेख प्रबंधन के लिए फाइलों के ऑडिट और सूची बनाने का दिया आदेश

बंगाल सरकार ने मंगलवार को सभी विभागों को कागजी दस्तावेजों की फाइलों की स्थिति के व्यापक ऑडिट करने और मौजूदा प्रशासनिक मानदंडों के अनुरूप उचित रिकॉर्ड प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एक सरकारी आदेश में मुख्य सचिव ने सभी विभागों के प्रमुखों और कार्यालय प्रमुखों को उनके पास मौजूद अभिलेखों की समीक्षा करने और उनकी पश्चिम बंगाल सचिवालय नियमावली में निर्धारित नियमों के अनुसार सूची बनाने और व्यवस्थित करने को कहा है। इस आदेश में वित्तीय सलाहकारों (एफए) को समन्वयक की महत्वपूर्ण भूमिका भी सौंपी गई है, जो इस तरह की फाइलों की विभागीय सूची संकलित करने और समेकित रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य संस्थागत रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था को मजबूत करना और जवाबदेही में सुधार करना है। अधिकारी ने कहा कि उचित दस्तावेजीकरण शासन की रीढ़ है। यह प्रक्रिया विभागों को कमियों की पहचान करने, फाइल प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि महत्वपूर्ण रिकॉर्ड आसानी से प्राप्त किए जा सकें।

ईवीएम बदलने की आशंका, बडे पैमाने पर हुईं अनियमितताएं : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मतगणना प्रक्रिया के साथ-साथ निर्वाचन अधिकारियों और सुरक्षा बलों की भूमिका पर भी मंगलवार को सवाल उठाए। कालीघाट में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा संबोधित प्रेसवार्ता में भाग लेने के बाद, अभिषेक बनर्जी ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि ईवीएम में दर्ज वोट भले ही बरकरार रहें, लेकिन मशीनों को बदला जा सकता है, जिससे मूल आंकड़े बदल जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में जिस तरह से धांधली हुई...उससे लगता है कि भले ही ईवीएम के माध्यम से दर्ज किए गए वोटों में हेरफेर नहीं किया जा सकता है, लेकिन ईवीएम को बदला जा सकता

है। तृणमूल सांसद ने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम 'अनियमितताओं' से प्रभावित थे, जिसके कारण तृणमूल की हार हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के दौरान कई शिकायतें दर्ज की गईं और अधिकारियों को भी बताई गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अभिषेक बनर्जी ने मतगणना स्थल पर लाई गई ईवीएम के सीरियल नंबर और फॉर्म 17सी में दर्ज रिकॉर्ड में विसंगतियों का भी आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि लंबे समय तक इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों में 90 प्रतिशत से अधिक 'असामान्य रूप से उच्च बैटरी स्तर' कैसे दिखाई दिया। मतगणना के दौरान निर्वाचन अधिकारियों, 'माइक्रो-ऑब्जर्वर', मतगणना एजेंट और केंद्रीय सुरक्षा बलों के कर्मियों की मौजूदगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने दावा किया कि केवल उनकी तैनाती से पारदर्शिता की गारंटी नहीं मिलती। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें गड़बड़ी की आशंका है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के हित में, मैं मांग करता हूं कि मतगणना के दिन, विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे के बीच की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जारी की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दोपहर के समय मतगणना जानबूझकर धीमी की गई थी। तृणमूल सुप्रीमो के भतीजे ने कहा कि पार्टी आंतरिक रूप से मुद्दों की समीक्षा करेगी और एक तथ्यान्वेषी दल गठित करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम के बाद व्यापक हिंसा हुई और दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने 'जश्न के नाम पर' राज्य भर में 300 से 400 पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की।

राज्यपाल रवि ने कालीघाट मंदिर में की पूजा, राज्य की खुशहाली की कामना

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल आरएन रवि ने मंगलवार को पत्नी लक्ष्मी रवि के साथ कोलकाता स्थित प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में मां काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्य के लोगों के कल्याण, प्रगति और समृद्धि की कामना की। लोक भवन के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से इस दौरे की जानकारी साझा की गई, जिसमें राज्यपाल के इस धार्मिक कार्यक्रम को खास बताया गया।

आईएएस अधिकारी सौमित्र मोहन राज्यपाल के सचिव नियुक्त हुए

राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी सौमित्र मोहन को राज्यपाल आर. एन. रवि का सचिव नियुक्त किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल कैडर के 2002 बैच के आईएएस अधिकारी मोहन वर्तमान में परिवहन विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं और उनके पास श्रम विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सौमित्र मोहन को राज्यपाल का सचिव नियुक्त किया गया है।

डॉक्टरों के संगठन ने मुख्य सचिव से रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का किया आग्रह

कोलकाता, समाज्ञा : डॉक्टरों के एक संगठन ने मंगलवार को राज्य के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला को पत्र लिखकर विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद सरकारी कार्यालयों में आधिकारिक रिकॉर्ड की सुरक्षा और फाइलों में किसी भी तरह की छेड़छाड़ को रोकने के लिए तत्काल उपाय करने का आग्रह किया। पत्र में डॉक्टरों के संयुक्त मंच ने कहा कि उन्हें प्रेस के माध्यम से पता चला है कि राज्य सरकार के कार्यालयों में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी लेने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी दस्तावेजों और सामग्रियों को उनकी मूल स्थिति में संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, पत्र में आरोप लगाया गया कि वर्षों से सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र के कई संस्थान भ्रष्टाचार और कुप्रशासन के केंद्र बन गए हैं। पत्र में कहा गया है कि इन कार्यालयों के भीतर प्रत्येक दस्तावेज को संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। संगठन ने यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया कि कथित तौर पर कदाचार में शामिल किसी भी अधिकारी को रिकॉर्ड को हटाने या उसमें छेड़छाड़ करने का अवसर न मिले। मंच ने मुख्य सचिव से सुशासन के हित में सक्रिय कदम उठाने की अपील भी की। पत्र पर मंच के संयुक्त संयोजक डॉ. पुण्यब्रत गुण और डॉ. हीरालाल कोनार ने हस्ताक्षर किए।

सरकारी कर्मचारियों ने नवान्न में भाजपा की जीत का मनाया जश्न

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार के कर्मचारियों के एक वर्ग ने मंगलवार को राज्य सचिवालय 'नवान्न' में हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का जश्न मनाया। हावड़ा में सचिवालय की बहुमंजिला इमारत में कर्मचारियों ने 'जय श्रीराम', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए तथा भगवा झंडे लहराए। एक अधिकारी ने बताया कि नवान्न के अंदर हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कर्मचारियों के एक समूह ने अचानक नारे लगाने शुरू कर दिए। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही। उन्होंने कहा कि कोई झगड़ा नहीं हुआ, न ही कामकाज में कोई बाधा आई, लेकिन नारों ने कई लोगों को चौंका दिया। राज्य सरकार के कुछ कर्मचारियों ने राजनीतिक बदलाव को लेकर आशावाद व्यक्त किया।

ममता के घर के बाहर लगे बैरिकेड हटे, सामान्य हुई आवाजाही

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता में हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के बाहर एक दशक से अधिक समय से लगे बैरिकेड मंगलवार को आंशिक रूप से हटा दिये गए। यह कदम तृणमूल कांग्रेस के सत्ता गंवाने और भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में ममता की हार के एक दिन बाद उठाया गया। मंगलवार को पुलिस कर्मियों को नीले और सफेद रंग के बैरिकेड को हटाते हुए देखा गया, जिनके जरिये 30बी स्थित उनके आवास के पास की सड़क पर आम जनता की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि, कोलकाता पुलिस की ओर से इस सिलसिले में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई थी, लेकिन मौके पर मौजूद एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें

मंगलवार की सुबह ममता के आवास के बाहर लगाए गए स्मार्ट बैरिकेड हटाने के निर्देश दिए गए। अधिकारी के मुताबिक, आदेश में बैरिकेड हटाने की कोई वजह नहीं बताई गई है। उन्होंने कहा कि हमने उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन किया है। हालांकि, वहां पुलिस चौकी अभी भी मौजूद है, लेकिन इलाके में उच्च स्तरीय सुरक्षा तैनाती में स्पष्ट रूप से कमी आई है। बता दें कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कालीघाट इलाके में स्थित हरीश चटर्जी स्ट्रीट एक उच्च सुरक्षा क्षेत्र रही है, जहां प्रवेश करने वाले हर वाहन की जांच की जाती थी। अब बैरिकेड हटने के साथ आम लोगों के लिए आवाजाही काफी आसान हो गई है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 30.04.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: निविदा सं.: टीएन-15-26-27, कार्य का नाम: ब्रिज नं. 13 सीसीआर पर एच-बीम स्लीपर के साथ स्टील चैनल स्लीपर का प्रतिस्थापन। निविदा मूल्य : रु.6,37,22,477.26, बयाना राशि : रु. 12,74,500/-, निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 26.05.2026 को 15.00 बजे। कार्य की समापन अवधि: 12 (बारह) माह। 1. निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। 2. निविदा के खुलने की तिथि और समय दिनांक 26.05.2026 को 15.30 बजे है।
SDAH-25/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-32-37-26, दिनांक 30.04.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी)/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लिखित अनुसार प्लेटफॉर्म, समपार, पी.वे तथा विविध कार्यों के लिए 06 (छह) अदद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: क्रम संख्या: 1। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-32-26। कार्यों का विवरण: जमा शर्तों पर बांकुड़ा और अंचुरी पी. एच. स्टेशन के बीच काटजुरीडांगा पर नए पैसेंजर हाल्ट का निर्माण (चरण-I के अधीन उच्च स्तर का प्लेटफॉर्म) (अवशिष्ट कार्य)। निविदा मूल्य: ₹ 49,65,356.55। क्रम संख्या: 2। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-33-26। कार्यों का विवरण: गड़बेता (जीबीए) स्टेशन पर अप लूप लाइन और आइलैंड पैसेंजर प्लेटफॉर्म के प्रावधान द्वारा डाउन मेन सह अप लूप की सुविधा के उन्मूलन के लिए दोनों छोरों पर अप और डाउन मेन लाइन क्रॉस ओवर की डिस्मैंटलिंग कार्य के सम्बन्ध में पुल के निर्माण तथा पी.वे कार्य का संपादन। निविदा मूल्य: ₹ 3,20,87,863.36। क्रम संख्या: 3। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-34-26। कार्यों का विवरण: चन्द्रकोणा रोड पर अप लूप लाइन और पैसेंजर प्लेटफॉर्म के प्रावधान द्वारा डाउन मेन सह अप लूप की सुविधा के उन्मूलन के लिए चन्द्रकोणा रोड के कार्य के सम्बन्ध में पी.वे कार्य का संपादन। निविदा मूल्य: ₹ 1,94,21,758.89। क्रम संख्या: 4। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-35-26। कार्यों का विवरण: चन्द्रकोणा रोड - चन्द्रकोणा रोड पर अप लूप लाइन और पैसेंजर प्लेटफॉर्म के प्रावधान द्वारा डाउन मेन सह अप लूप की सुविधा का उन्मूलन। निविदा मूल्य: ₹ 10,41,84,238.68। क्रम संख्या: 5। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-36-26। कार्यों का विवरण: एडीईएन-ईस्ट/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन अप्रोच रोड सहित समपार, समपार की समपार रबराइज्ड सतह तथा जल आपूर्ति व्यवस्था का सुधार तथा समपार फाटक में एटी की आपूर्ति। निविदा मूल्य: ₹ 2,65,46,358.88। क्रम संख्या : 6। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-37-26। कार्यों का विवरण: एडीईएन/पुरुलिया के अधिकार क्षेत्र के अधीन अप्रोच रोड सहित समपार, समपार की रबराइज्ड सतह तथा जल आपूर्ति व्यवस्था का सुधार तथा समपार फाटक में एटी की आपूर्ति। निविदा मूल्य: ₹ 2,71,57,862.83। ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय 05.06.2026 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 6 प्रत्येक के लिए) है। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। (PR-119)

पूर्व रेलवे

निविदा संख्या: बीएमएफ-03-10-मशीनिंग-150, दिनांक: 28.04.2026। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, बोगी निर्माण कारखाना, पूर्व रेलवे, 88/1, अधर दास रोड, बजबज, कोलकाता-700137, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल लिफाफा प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम: कार्य के दायरे के अनुसार फर्म की ओर से 5-एक्सिस मशीन का इस्तेमाल करके एलएचबी बोगी फ्रेम मशीनिंग। विज्ञापित मूल्य: ₹ 70,98,300। बयाना राशि: ₹ 1,42,000। निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य। निविदा बंद होने की तारीख और समय: 20.05.2026 को सुबह 11:00 बजे। बोली शुरू होने की तारीख: 06.05.2026। निविदा अपलोड करने की तारीख एवं समय: 28.04.2026 को दोपहर 1.51 बजे। प्रस्ताव की वैधता: 120 दिन। पूरा करने की अवधि: 05 महीना। वेबसाइट का विवरण जहाँ से निविदा प्रपत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं: www.ireps.gov.in। बोलीदाता सिर्फ निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर सकेंगे। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा किसी भी तरह का मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जायेगा।
(MISC-29/2026-27)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सं. डीसीपीएम-जीएस-एसएनटी-एमएलडीटी-01-26-27 दिनांक 24.04.2026 के लिए 'ई'-निविदा सूचना के प्रकाशन हेतु शुद्धिपत्र सं. 2, कार्य-निम्नलिखित के संबंध में एस एंड टी कार्य ''पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में गंगवारा (जीजीडब्ल्यूए), पंजवारा (पीजेएलई), गोनुधाम (जीआईएफ) और कुरमाहाट (केयूएमटी) में नए क्रॉसिंग स्टेशनों के विकास के संबंध में, हंसडीहा-प्रथाहाट खंड में गंगवारा (जीजीडब्ल्यूए) स्टेशन, बाराहाट-मंदारहिल खंड में पंजवारा (पीजेएलई) स्टेशन, भागलपुर-टिकानी खंड में गोनुधाम (जीआईएफ) स्टेशन और हंसडीहा-नोनीहाट खंड में कुरमाहाट (केयूएमटी) स्टेशन पर नवीनतम संशोधनों के साथ आरडीएसओ/एसपीएन/192/2019 के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली के प्रावधान से जुड़े सिग्नल और दूरसंचार कार्य। ऊपर वर्णित प्रकाशित ई-निविदा सूचना सं. एसजी. निविदा/डीबाईसीपीएम/एसएनटी/एमएलडीटी/01 दिनांक 24.04.2026 में, निम्नलिखित शुद्धिपत्र प्रकाशित किए गए हैं:-बोली पूर्व सम्मेलन की बैठक 05.05.2026 को सीएसटीई /निर्माण कार्यालय, 10वीं मंजिल, एनकेजी बिल्डिंग, कोलकाता में निर्धारित की गई थी। लेकिन, किसी भी बोलीदाता ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया (शून्य भागीदारी)।
SDAH-26/2026-27
हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 24_2026-27 और 25_2026-27 दिनांक: 04.05.2026, वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/4/ हावड़ा। क्रम सं. 1, ई-निविदा सं. 24_2026-27, कार्य का विवरण : हावड़ा मंडल में मानसून सत्र के लिए वैगनों में और भूमि पर स्टोन बोल्डर की आपूर्ति का आपातकालीन कार्य एवं अन्य विविध कार्य। अनुमानित मूल्य : रु. 2,71,50,707.05, बयाना राशि : रु. 5,43,000/-, क्रम सं. 2, ई-निविदा सं. 25_2026-27, कार्य का विवरण : हावड़ा मंडल में मानसून सत्र के दौरान आपातकालीन सामग्री के रूप में क्वैरी स्टोन डस्ट की आपूर्ति। अनुमानित मूल्य : रु. 1,86,70,800/-, बयाना राशि : रु. 3,73,400/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) : शून्य (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। समापन अवधि : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 22.05.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के ज़रिए स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।
HWH-46/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: ईपीएस/05/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेण्डर नं	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	38264178	7/8" (22.2 MM) DIA BULL लॉक बोल्ट पिन (ROUND HEAD) कालर जिंक PLATED	80393 set	19/05/2026
2	30261533	प्राइमरी स्प्रिंग फॉर LHB Non-AC कोचेस	1471 Nos.	21/05/2026
3	30261531	प्राइमरी स्प्रिंग (इनर) फॉर LHB Non-AC कोचेस	1499 Nos.	25/05/2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।
(हस्ता.)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक,
प.म.रे., जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/23, दिनांक: 04.05.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, फेयरली प्लेस, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि निम्नानुसार हैं:(1) 15265020; स्पेसिफिकेशन के अनुसार इंडस्ट्रियल अकाउस्टिक इमेजर की आपूर्ति। (स्पेसिफिकेशन सलग्न); रु.1,19,600; निविदा खुलने की तिथि और समय : 22.05.2026, 13.30 बजे (2) 15255098बी; 5000 एलपीएच क्षमता के ट्रांसफॉर्मर ऑयल फिल्ट्रेशन प्लांट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ ; रु.1,09,740; निविदा खुलने की तिथि और समय :28.05.2026, 13.30 बजे (3) 15255158ए; 15 टी ईओटी क्रेन आदि की आपूर्ति, स्थापना एवं आरंभ; रु.1,13,120; निविदा खुलने की तिथि और समय :29.05.2026, 13.30 बजे (4) 1226_डीएक्सआईएनजी-डीएस-6494; 1 इन 8.5 डायमंड क्रॉसिंग एवं टी-6494 के लिए चालू ठेका; रु.20,00,000; (5) 1226_डी-स्विच_6068; डिरेलिंग स्विच 60 केजी 1 इन 8.5 (टी-6068) के क्रय के लिए चालू ठेका; रु.13,21,190; निविदा खुलने की तिथि और समय : 26.05.2026, 13.30 बजे क्रम सं. 4 एवं 5 हेतु (6) 1226-एफएस_स्विच-4733; आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. टी-4733 के तहत पीएससी स्लीपरों पर 52 केजी रेल के लिए 10125 मिमी के एफ/एस स्विच 52 केजी (बा) 1 इन 12 टर्नआउट बीजी (1673 मिमी) के लिए स्विच कर्व्ड के क्रय हेतु चालू ठेका; रु.15,03,260; निविदा खुलने की तिथि और समय : 19.05.2026, 13.30 बजे (7) 12261049; आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. टी-8747 के अनुसार चौड़े पीएससी स्लीपर के साथ इस्तेमाल के लिए कम्पोजिट ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट (सीजीआरएसपी) 10 मिमी मोटाई का निर्माण एवं आपूर्ति; रु.20,00,000; निविदा खुलने की तिथि और समय : 12.05.2026, 13.30 बजे (8) 12261015; आरडीएसओ स्टैंडर्ड ड्रॉइंग नं. टी-6441, ऑल्ट-04 के अनुसार पीएससी स्लीपरों पर 1 इन 8.5 बीजी 60 केजी वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग का निर्माण एवं आपूर्ति ; रु. 20,00,000; निविदा खुलने की तिथि और समय : 02.06.2026, 13.30 बजे (9) 1226-डीआर_स्विच-5836; आरडीएसओ ड्रॉ. नं. (टी-5836 ऑल्ट.3) के समरूप पीएससी स्लीपर पर 1 इन 8.5 फैन शेप्ड लेआउट के लिए बीजी, 52 केजी रेल्स के लिए उपयुक्त 6400 मिमी ओवरराइडिंग डिरेलिंग स्विच (आरएच) का गठन एवं आपूर्ति; रु.3,37,860; निविदा खुलने की तिथि और समय : 12.05.2026, 13.30 बजे(10) 12261034;आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-3740, ऑल्ट.7 के तहत 60 केजी (यूआईसी) रेल्स के लिए कंक्रीट स्लीपरों पर इलास्टिक रेल क्लिप फ्लैट टो के साथ इस्तेमाल करने के लिए मेटल लाइनरों का निर्माण एवं आपूर्ति; रु.20,00,000; निविदा खुलने की तिथि और समय : 12.06.2026, 13.30 बजे (11) 1226मेटललाइनर-8616 एवं 8617;आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. टी-8616 एवं 8617 (ऑल्ट.1) के तहत कॉम्बिनेशन मेटल लाइनर का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 1,28,160; निविदा खुलने की तिथि और समय :29.05.2026, 13.30 बजे। निविदा मूल्य : रु.0 क्रम सं.1 से 11 प्रत्येक हेतु। टिप्पणी: उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट https:// www.ireps.gov.in के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं व अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण हेतु, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट देखें।
STORES-07/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

परिवर्तन के साथ बढ़ीं उम्मीदें, विकास और रोजगार पर नजर

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जिनमें विकास, रोजगार, सुरक्षा और औद्योगिक प्रगति को लेकर व्यापक उम्मीदें व्यक्त की गई हैं। समाज के प्रतिनिधियों का मानना है कि यह जनादेश राज्य में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत है, जहां डबल इंजन सरकार के माध्यम से विकास को गति मिलेगी और लंबे समय से रुके हुए कार्यों को नई दिशा मिलेगी। लोगों ने कानून व्यवस्था में सुधार, महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के साथ-साथ बड़े उद्योगों के आगमन और रोजगार सृजन की उम्मीद जताई है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि सरकार के प्रयासों के साथ जनता का सहयोग भी जरूरी होगा, तभी सोनार बांग्ला का सपना साकार हो सकेगा।

विकास जायसवाल, श्री सहस्त्रार्जुन जयंती समारोह समिति, जायसवाल समाज के अध्यक्ष विकास जायसवाल ने उत्साह और विश्वास के साथ कहा कि पूरे जायसवाल समाज की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को दिल से मजबूत समर्थन मिला है और आगे भी नई सरकार तथा उसके मंत्रिमंडल को हर स्तर पर पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समर्थन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि राज्य के उज्जवल भविष्य के लिए एक संकल्प है। विकास जायसवाल ने नई सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता को इस सरकार से ऐतिहासिक परिवर्तन की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार न केवल विकास की रफ्तार को तेज करेगी, बल्कि कानून व्यवस्था को सख्त और प्रभावी बनाते हुए आम लोगों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण देगी।

वनीत जायसवाल, गुलाब चंद लाल चंद एंड कंपनी के ओनर बिनीत जायसवाल ने नई सरकार के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे व्यापार और उद्योग को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई इंडस्ट्री के विकास से कारोबार बढ़ेगा और बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, सभी लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और सभी लोग इस बदलाव को सकारात्मक रूप में ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई सरकार से लोगों को काफी उम्मीदें हैं और यह राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

रविंद्र सिंह दीपक, भाजपा के प्रदेश नेता रविंद्र सिंह दीपक ने इस जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह किसी एक पार्टी की नहीं, बल्कि राज्य की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि लोगों ने बदलाव के लिए मतदान किया है और अब राज्य विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अब बंगाल में भय आउट और भरोसा इन का माहौल बनेगा, जहां आम नागरिक खुद को सुरक्षित और आश्वस्त महसूस करेंगे।

दीपक राय, भाजपा हावड़ा जिला के महामंत्री दीपक राय ने नई सरकार के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता इस परिवर्तन को बड़ी उम्मीदों के साथ लेकर आई है और अब सभी की नजरें सरकार के कामकाज पर टिकी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को विश्वास है कि नई सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाएगी, जिससे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अवसर मिल सकेंगे। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की उम्मीद भी मजबूत हुई है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी लोगों में भरोसा बढ़ा है और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और इंडस्ट्री जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में सुधार की उम्मीद है, जिससे राज्य का समग्र विकास संभव होगा।

आनंद जैन, व्यवसायी आनंद जैन ने नई सरकार को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य की जनता ने बड़े विश्वास के साथ डबल इंजन सरकार को चुना है। उन्होंने कहा कि बंगाल के सभी वर्गों चाहे वह किसी भी धर्म, श्रेणी या आयु के हों, को एक बेहतर व्यापारिक माहौल और भयमुक्त वातावरण की जरूरत है। अब समय आ गया है कि बंगाल हर क्षेत्र में आगे बढ़े और अपनी खोई हुई रफ्तार को फिर से हासिल करेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी बड़े बदलाव का असर तुरंत दिखाई देना संभव नहीं है। इसके लिए जनता को सरकार का सहयोग करना होगा और कम से कम दो वर्षों का समय देना चाहिए, ताकि वास्तविक परिवर्तन नजर आ सके और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उज्जवल बन सके।

मेहुल मेघाणी, व्यवसायी एवं सीएमडीए यूथ चेयरमैन मेहुल मेघाणी ने पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जनादेश राज्य के लिए नई दिशा और संभावनाओं का संकेत है। उन्होंने कहा कि एक नागरिक और उद्योग जगत से जुड़े व्यक्ति के रूप में उनकी अपेक्षा है कि आने वाले समय में बुनियादी ढांचे का तेज़ विकास होगा, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, मजबूत कानून-व्यवस्था, सीमाओं की सुरक्षा और समाज में समानता राज्य की प्रगति के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार विकास, पारदर्शिता और सुशासन को प्राथमिकता देते हुए पश्चिम बंगाल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

उमाकांत अग्रवाल (बंटी), कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी उमाकांत अग्रवाल (बंटी) ने नई सरकार के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य में पहली बार डबल इंजन सरकार का गठन हुआ है, जिसकी लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि पहले केंद्र और राज्य में अलग-अलग सरकार होने के कारण समन्वय की कमी और टकराव की स्थिति बनी रहती थी, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब केंद्र और राज्य में एक ही सरकार होने से विकास को गति मिलेगी और बड़े उद्योगों व कारखानों की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उनके अनुसार, यह बदलाव पश्चिम बंगाल को एक बार फिर सोनार बांग्ला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

अभिषेक वर्मा, कलकत्ता इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक वर्मा ने हार्दिक बधाई देते हुए इसे राज्य में ऐतिहासिक परिवर्तन और स्वर्णिम युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिले जनमत के लिए प्रदेश की जनता, विशेषकर सनातनी हिंदुओं का आभार, जिनके विश्वास ने नए राजनीतिक युग की नींव रखी है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पश्चिम बंगाल के गौरव को पुनः स्थापित करेगी। उनके अनुसार, राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, हिंदुस्तान मोटर्स और जेसप जैसे बंद कारखाने फिर शुरू हो सकते हैं, साथ ही जूट मिलों और चाय बागानों में नई जान आएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल जल्द ही अपनी खोई गरिमा हासिल कर भारत का ताज बन सकता है।

चंद्रेश मेघानी, श्री कलकत्ता जैन श्वेतांबर स्थानकवासी गुजराती संघ के अध्यक्ष चंद्रेश मेघानी ने नई सरकार के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता ने परिवर्तन के नारे को साकार कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव समय की जरूरत था और लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ इसे स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी से उम्मीद है कि वह हर क्षेत्र में विकास को गति देगी और राज्य को नई दिशा देगी। उनके अनुसार, लंबे समय से जिस परिवर्तन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, वह अब संभव हो पाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार के प्रयासों से पश्चिम बंगाल भी विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में राज्य की स्थिति पहले से बेहतर होगी।

रितेश खटेड़, भाजपा उत्तर हावड़ा मंडल 2 के सचिव रितेश खटेड़ ने कहा कि राज्य में अब चारों तरफ व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार के गठन के साथ ही कानून व्यवस्था में सुधार होगा और बहन-बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देगी, जिससे युवाओं को नई नौकरियां मिलेंगी और उद्योगों के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। यह बदलाव राज्य के लिए सकारात्मक साबित होगा और हर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल विकास, सुरक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा।

बंगाल की नई सरकार से विकास, शांति और रोजगार की बड़ी उम्मीदें : जयदीप पटवा

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन पर जयदीप पटवा ने कहा कि राज्य की जनता को विकास, शांति और रोजगार को लेकर बड़ी उम्मीदें हैं। उनके अनुसार बंगाल, जो संस्कृति और साहित्य की भूमि रहा है, सही नीयत और नीति से फिर अपने गौरवशाली दौर की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अभाव में युवाओं का पलायन गंभीर समस्या है, इसलिए सरकार को उद्योग-अनुकूल माहौल बनाकर आईटी, टेक्सटाइल, जूट और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को राज्य में ही अवसर मिल सकें। उन्होंने कानून व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि चुनावी हिंसा से छवि प्रभावित होती है, इसलिए भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल जरूरी है। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार, शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि दुर्गा पूजा, रवींद्र संगीत और रसगुल्ला जैसी सांस्कृतिक पहचान को पर्यटन से जोड़कर ब्रांड बंगाल को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब राज्य को नारों नहीं, ठोस नीतियों की जरूरत है।

बसंत पटावरी, चुनाव में भाजपा को जो जबरदस्त सफलता मिली है, वह केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि यह बंगाल के शुभ भविष्य और दुर्नीति को समाप्त करने की ऐतिहासिक जीत है। 15 वर्षों के इस सत्ता परिवर्तन से बंगाल में विकास और सुशासन का सूर्योदय हुआ है। समय-समय पर जनता ही सभी राजनीतिक दलों को नई दिशा निर्धारित करती है और सभी दलों को उसे स्वीकार करना चाहिए। टीएमसी के सिंडिकेट राज को जनता ने समाप्त किया है। अब बंगाल निश्चित ही सोनार बांग्ला बनेगा। सभी बंगालवासियों को बहुत-बहुत बधाई।

चांपदानी से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दिलीप सिंह का पश्चिम बंगाल गारमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिकिशन राठी द्वारा स्वागत किया गया। बताना प्रासंगिक है कि निर्वाचित विधायक वस्त्र उद्योग से जुड़े रहे हैं। लंबे राजनैतिक संघर्ष के उपरांत उन्होंने तृणमूल के निकटतम प्रतिद्वंद्वी को परास्त किया है।

बंडेल स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी सफलता, 3.27 लाख का खोया बैग यात्री को लौटाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के ऑपरेशन अमानत के तहत बंडेल स्टेशन पर आरपीएफ ने एक यात्री का लाखों रुपये मूल्य का खोया हुआ बैग बरामद कर ईमानदारी और सतर्कता की मिसाल पेश की है। महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व और पीसीएससी अमिया नंदन सिन्हा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत यह उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है। यह घटना 3 मई 2026 की है, जब सियालदह-बलिया एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13105 अप) के प्रस्थान के बाद बंडेल स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक लावारिस ट्रॉली बैग नजर आया। सतर्क आरपीएफ कर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए बैग को सुरक्षित किया और रेल मदद डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए उसके मालिक का पता लगाकर संपर्क स्थापित किया। जांच में बैग की मालिक आशा भगत, निवासी गेट बाजार, भद्रेश्वर (हुगली), पाई गईं। बंडेल आरपीएफ पोस्ट पर पहुंचने के बाद आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर बैग उन्हें सौंप दिया गया। बैग में सोने-चांदी के आभूषण, नकद राशि सहित कुल 3.27 लाख मूल्य की वस्तुएं मौजूद थीं। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन अमानत का उद्देश्य यात्रियों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और आरपीएफ इसके लिए पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रही है।

देवघर और सरायगढ़ के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, यात्रियों को मिलेगी राहत

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे ने गर्मियों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए देवघर और सरायगढ़ के बीच अनारक्षित मेमू स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन 07 मई 2026 से 31 मई 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी और कुल 25 फेरे लगाएगी। 05573 सरायगढ़-देवघर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन सुबह 03:05 बजे सरायगढ़ से प्रस्थान कर 11:20 बजे देवघर पहुंचेगी। वहीं, 05574 देवघर-सरायगढ़ अनारक्षित स्पेशल ट्रेन देवघर से 11:35 बजे रवाना होकर रात 22:15 बजे सरायगढ़ पहुंचेगी। यह ट्रेन पूर्व रेलवे के अंतर्गत बांका, बाराहाट, भागलपुर, सुल्तानगंज, रतनपुर और मुंगेर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव करेगी।

वेस्ट बंगाल गारमेंट एसोसिएशन के पुनः अध्यक्ष बने हरिकिशन राठी

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के वस्त्र व्यवसाइयों की प्रतिनिधि संस्था वेस्ट बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एण्ड डीलर्स एसोसिएशन की 61 वीं वार्षिक साधारण सभा में आगामी कार्यकाल के लिए नयी कमिटी का सर्वसम्मति से चयन हुआ। संस्था के पूर्व अध्यक्ष द्वय हरिप्रसाद शर्मा एवं चांदमल लढा चुनाव अधिकारी थे। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी कि हरिकिशन राठी को लगातार 13 वें वर्ष निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत किया गया। विजय कारीवाला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार मुरारका उपाध्यक्ष, देवेन्द्र कुमार बैद मानद मंत्री, कन्हैयालाल लाखोटिया कोषाध्यक्ष, प्रेम कुमार सिंहल संयुक्त कोषाध्यक्ष मनोनीत किए गए। इनके अलावा कार्यकारिणी समिति में निम्न लोगों को शामिल किया गया- अमरचन्द दुगड़, आशीष झंवर, किशोर कुमार गुलगुलिया, संदीप राजा, तरूण कुमार झाझड़िया, मनीष राठी, मनीष अग्रवाल, विक्रम सिंह बैद, मनीष जैन, मोहित दुगड़, मयंक चौधरी। अध्यक्ष हरिकिशन राठी एवं मंत्री देवेन्द्र बैद ने कहा कि वस्त्र व्यवसाइयों के हितों के लिए एसोसिएशन की नयी टीम पूरे उत्साह के साथ पूर्ववत कार्य करती रहेगी। आगामी दिनों में अगला गारमेंट फेयर भी लगाया जाएगा, जिसमें हमेशा की तरह देश-विदेश के गारमेंट व्यवसायी शामिल होंगे।

पूर्व रेलवे ने माहव्यापी स्वच्छता अभियान में सफाई के साथ व्यवहार परिवर्तन पर दिया जोर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे में 15 अप्रैल से 14 मई तक चल रहे माहव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत व्यापक स्तर पर सफाई और जनजागरूकता गतिविधियां जारी हैं। महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहकर व्यवहारिक परिवर्तन की दिशा में भी काम कर रहा है। सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदह मंडलों के डीआरएम लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं, जबकि पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग पूरे नेटवर्क को स्वच्छ बनाए रखने में जुटा है। इस अभियान में पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। 2 और 3 मई को कांचरापाड़ा रेलवे अस्पताल में कार्टून प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। वहीं, स्वयंसेवकों ने अस्पताल परिसर की सफाई भी की। साथ ही स्थानीय दुकानों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाया गया। आसनसोल मंडल में 3 और 4 मई को ट्रेनों में यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक्सप्रेस और विभिन्न मेमू ट्रेनों में यात्रियों को कचरा निस्तारण, डस्टबिन के उपयोग और प्लास्टिक कम करने के प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान की सफलता यात्रियों के सहयोग पर निर्भर करती है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि स्वच्छता को आदत बनाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है और इसके लिए जनता की भागीदारी बेहद जरूरी है।

चुनाव बाद हिंसा से बंगाल में तनाव, कई जिलों में हत्याएं और हमलों से दहशत

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद राज्य के विभिन्न जिलों से हिंसा की लगातार खबरें सामने आ रही हैं। कई इलाकों में राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले, हत्या और तोड़फोड़ की घटनाओं ने हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। चुनावी नतीजों के बाद पुरानी रंजिश और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता अब खुले टकराव में बदलती नजर आ रही है। इन घटनाओं से आम लोगों में भी डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने के आरोप लगा रही हैं, जबकि पुलिस और प्रशासन संवेदनशील इलाकों में तैनात रहकर स्थिति को काबू में रखने की कोशिश कर रहे हैं। सभी मामलों में जांच शुरू कर दी गई है।

➧ न्यूटाउन में बीजेपी कार्यकर्ता की पिटाई से मौत

कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में एक बीजेपी कार्यकर्ता मधु मंडल की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि जमीन विवाद को लेकर तृणमूल नेता कमल मंडल और उसके समर्थकों ने उन पर हमला किया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और आरोपी के घर पर तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी कमल मंडल को हिरासत में ले लिया है।

➧ बेलघाटा में टीएमसी बूथ एजेंट की रहस्यमय मौत

वहीं, कोलकाता के बेलघाटा में टीएमसी के बूथ एजेंट विश्वजीत पटनायक का शव उनके घर के बाहर संदिग्ध हालत में मिला। परिवार ने इस हत्या के पीछे बीजेपी का हाथ होने का आरोप लगाया है, हालांकि बीजेपी ने इन आरोपों को खारिज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

➧ उदयनारायणपुर में हमले में बीजेपी समर्थक की मौत

हावड़ा जिले के उदय नारायणपुर में यादव बर नामक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि कालिपद बाग समेत कुछ लोगों ने उन पर हमला किया। बीजेपी का दावा है कि उन्हें पार्टी से जुड़े होने के कारण तृणमूल समर्थकों ने मार डाला, जबकि टीएमसी ने इन आरोपों को नकार दिया है। पुलिस का कहना है कि यह घटना आपसी विवाद का परिणाम भी हो सकती है।

➧ बीरभूम के नानूर में टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बीरभूम जिले के नानूर में टीएमसी कार्यकर्ता आबिर शेख की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोप है कि बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया, हालांकि हमलावरों के नाम स्पष्ट रूप से सामने नहीं आए हैं। इस घटना में उनके साथ मौजूद अली हुसैन भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है।

➧ राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज, जांच जारी

इन सभी घटनाओं के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में तनाव का माहौल है। कहीं विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं तो कहीं राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने के आरोप लगा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए हैं और सभी मामलों की जांच जारी है।

हावड़ा में अंजनी पुत्र सेना की भव्य शोभायात्रा, बुलडोजर पर विराजमान हनुमान जी बने आकर्षण का केंद्र

हावड़ा, समाज्ञा : अंजनी पुत्र सेना की ओर से काजीपाड़ा से हावड़ा मैदान तक एक भव्य धार्मिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और राम भक्त शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्ति और उत्साह से भर गया। राम भक्त हाथों में धार्मिक ध्वज लेकर जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए और मार्गभर भक्ति गीतों एवं नारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण एक सुसज्जित बुलडोजर रहा, जिस पर हनुमान जी की प्रतिमा विराजमान थी। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा और लोगों ने भक्ति भाव से इसका स्वागत किया। शोभायात्रा पारंपरिक मार्ग काजीपाड़ा से अवनी माल होते हुए हावड़ा मैदान तक निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की थी ताकि शोभायात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। वहीं, संस्था के सचिव सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि वर्ष 2023 से रामनवमी शोभायात्रा को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आती रही थीं और अनुमति को लेकर दिक्कतें थीं। उन्होंने कहा कि अब पूरा माहौल बदल चुका है और सनातनियों को कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने यह भी कहा कि जो सनातन के खिलाफ जाएगा, उसे योगी बाबा के बुलडोजर जैसा संदेश मिलेगा, जो साफ रास्ता दिखाएगा। उन्होंने दावा किया कि अब वातावरण पूरी तरह बदल चुका है और सनातन संस्कृति के कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे हैं।

हावड़ा में अमित शाह और सुभाष चंद्र बोस के नाम पर मंदिर निर्माण का शिलान्यास, भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

हावड़ा, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नाम पर मंदिर निर्माण की पहल की गई है। इसके साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर भी एक मंदिर बनाया जा रहा है। हावड़ा के 26 नंबर वार्ड स्थित नोबिता मित्रा पार्क में इन मंदिरों के शिलान्यास का आयोजन किया गया, जिसे लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि राज्य में लंबे समय तक वाम मोर्चा के 34 वर्षों और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन के दौरान आम लोगों को कई समस्याओं और कथित अत्याचारों का सामना करना पड़ा। उनका दावा है कि इसी असंतोष के चलते जनता ने भाजपा का समर्थन किया और पार्टी को बड़ी जीत दिलाई। कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि अमित शाह के नेतृत्व और रणनीति से पार्टी को मजबूती मिली है। इसी कारण उन्हें भगवान के समान मानते हुए उनके नाम पर मंदिर बनाने का निर्णय लिया गया है, जहां भविष्य में पूजा-अर्चना की जाएगी। इस आयोजन को लेकर इलाके में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं, वहीं समर्थकों के बीच इसे लेकर उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। भाजपा मध्य हावड़ा के संयोजक शिव शंकर साधु ने भी इस पहल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे कार्यकर्ताओं की आस्था और उत्साह का प्रतीक बताया।

जनादेश का सम्मान करें, इस्तीफा दें : भाजपा विधायक दिलीप सिंह का ममता पर तीखा हमला

हुगली, समाज्ञा : चुनाव परिणाम के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। चांपदानी विधानसभा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दिलीप सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। विधायक ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री को अपने पद की गरिमा का एहसास होता, तो ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। जनता ने अपना जनादेश दे दिया है, ऐसे में उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में अहंकार बढ़ गया था और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन नहीं किया गया।

➤ जनता का राज्य, किसी दल का नहीं

भाजपा विधायक ने कहा कि पश्चिम बंगाल किसी एक पार्टी का नहीं बल्कि जनता का राज्य है। यह न तृणमूल का है, न कांग्रेस, न भाजपा, न वाम दलों का। जिसको जनता चुनेगी, सरकार उसी की बनेगी। उन्होंने दावा किया कि जनता ने भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट जनादेश दिया है और अब राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित बंगाल बनाने का भरोसा जताया।

➤ विकास और रोजगार के बड़े वादे

विधायक ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। करोड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा, हर घर में आय बढ़ेगी, बेहतर अस्पताल और शिक्षा व्यवस्था विकसित की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार की योजनाओं और निवेश के जरिए राज्य में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे बुनियादी ढांचे और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

➤ जनता को दिया जीत का श्रेय

अपनी जीत का श्रेय देते हुए विधायक ने कहा, यह पूरी तरह जनता की जीत है। यह किसी पार्टी या नेता की नहीं, बल्कि आम लोगों के अस्तित्व, महिलाओं के सम्मान और बच्चों के भविष्य की लड़ाई थी।

➤ थानीय मुद्दों पर फोकस

चांपदानी क्षेत्र की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई स्कूल जर्जर हालत में हैं और उन्हें जल्द पुनर्निर्मित किया जाएगा। साथ ही बंद पड़ी जूट मिलों को चालू कराने और शिक्षा व्यवस्था सुधारने का वादा किया। हमारा लक्ष्य है कि बच्चे बेहतर माहौल में पढ़ें और क्षेत्र का समग्र विकास हो, उन्होंने कहा।

➤ विपक्ष की भूमिका निभाने की सलाह

विधायक ने तृणमूल कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि अगर जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठने का मौका दिया है, तो उन्हें सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है।

➤ चांपदानी में जोरदार स्वागत

चांपदानी विधानसभा क्षेत्र से जीत के बाद भाजपा विधायक दिलीप सिंह का क्षेत्र में जोरदार स्वागत हुआ। श्रीरामपुर नगरपालिका के 29 नंबर वार्ड में भाजपा नेता पराग मित्रा और राकेश चौधरी के घर पहुंचे दिलीप सिंह को लोगों ने फूल-मालाओं से लाद दिया और गर्मजोशी से अभिनंदन किया। बताया जा रहा है कि 29 नंबर वार्ड से मिली बढ़त ही उनकी जीत का अहम कारण बनी। इस मौके पर समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

➤ बंगाल को गुंडाराज से मुक्ति मिली

दिलीप सिंह ने दावा किया कि जनता ने अत्याचार, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट और गुंडाराज से मुक्ति पाने के लिए भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह देश का विकास हो रहा है, उसी तरह बंगाल और चांपदानी का भी समग्र विकास होगा।

➤ तृणमूल नेताओं को पार्टी में शामिल करने पर रोक

भाजपा विधायक ने साफ कर दिया कि पार्टी में तृणमूल कांग्रेस के मौजूदा नेताओं को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पार्टी का पहले से ही स्पष्ट निर्देश है और जनता के सामने भी इसे साबित किया जा चुका है। उन्होंने कहा, जनता ने मुझे चुनकर विधानसभा भेजा है, इसलिए मैं उनके सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करूंगा। हमारा कर्तव्य है कि उन कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाए जिन्होंने 20-30 साल तक संघर्ष किया, मार झेला और पार्टी को मजबूत बनाया।

➤ कार्यकर्ताओं और जनता को प्राथमिकता

विधायक ने जोर देते हुए कहा कि भाजपा का फोकस जमीनी कार्यकर्ताओं, मध्यमवर्गीय लोगों और शिक्षित वर्ग पर रहेगा, जो पार्टी से जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जिन लोगों ने चुनाव के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा की या बूथ कब्जाने की कोशिश की, उनके लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है।

➤ जनता ही सर्वोपरि

उन्होंने कहा, भाजपा की असली ताकत जनता है और वही अंतिम निर्णय करेगी। अगर जनता कहेगी तो हम किसी को भी पार्टी में शामिल करेंगे, लेकिन फैसला जनता की इच्छा के अनुसार ही होगा।

भाजपा की जीत का जश्न, हावड़ा स्टेशन पर झालमुड़ी बांटकर मनाई गई खुशी

हावड़ा, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी कड़ी में, हावड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पार्टी समर्थकों द्वारा यात्रियों के बीच झालमुड़ी का वितरण किया गया, जिससे स्टेशन का माहौल उत्सवमय हो गया। झालमुड़ी बांट रहे एक भाजपा समर्थक ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक छोटे झालमुड़ी विक्रेता से झालमुड़ी खरीदकर खाई थी। उन्होंने कहा कि यह घटना इस बात का प्रतीक है कि प्रधानमंत्री के लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं, सभी समान हैं। उनके अनुसार, यही भावना जनता के बीच गहराई से जुड़ी और भाजपा को अपेक्षा से अधिक समर्थन मिला। समर्थकों ने बताया कि इसी खुशी को साझा करने के लिए हावड़ा स्टेशन पर झालमुड़ी बांटी जा रही है, ताकि विभिन्न जिलों से आने वाले लोग भी इस जश्न में शामिल हो सकें। इस दौरान कई यात्रियों ने झालमुड़ी का आनंद लिया और अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने इसके स्वाद की तारीफ की, तो कुछ ने मजाकिया अंदाज में कहा कि झालमुड़ी का स्वाद लाजवाब है, लेकिन इसका 'झल' थोड़ा तीखा है। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा।

'मुझसे टिकट के बदले 5 करोड़ रुपये मांगे गए', पूर्व मंत्री मनोज तिवारी का तृणमूल पर आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : लंबे समय से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने टीएमसी का दामन छोड़ दिया है। बता दें कि मनोज टीएमसी से विधायक थे और बंगाल सरकार में खेल मंत्री भी रह चुके हैं। बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद मनोज ने कहा है कि उनका और टीएमसा का चैप्टर अब बंद हो चुका है। उन्होंने ममता बनर्जी की पार्टी पर टिकट के बदल नोट मांगने के आरोप भी लगाए हैं। मनोज ने कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनावों में जो हुआ उससे वह हैरान नहीं हैं क्योंकि एक दिन ये होना ही था। मनोज ने कहा कि देखिए, मैं इस हार से बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। जब एक पार्टी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो तो और किसी भी सेक्टर में कोई विकास नहीं हो तो, ये होना ही था। मनोज ने कहा कि जो लोग भारी भरकम रकम दे सकते थे वो ही टिकट खरीद सकते थे। इस बार 70-72 लोगों ने टिकट के बदले पांच करोड़ रुपये दिए हैं। मुझसे भी कहा गया था, लेकिन मैंने देने से मना कर दिया। जरा देखिए कि जिन लोगों ने टिकट के बदले पैसे दिए तो वह जीत पाए हैं या नहीं। जहां तक टीएमसी की बात है तो, मेरे लिए ये चैप्टर खत्म हो गया है। मनोज ने कहा कि उनको ममता बनर्जी ने साल 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ने को कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था, लेकिन ममता ने जिद की थी इसलिए 2021 में वह विधानसभा चुनाव लड़ने को राजी हो गए थे। मनोज ने कहा कि उस समय मैं पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल खेल रहा था और रणजी ट्रॉफी भी खेल रहा था। तभी, ममता चाहती थीं कि मैं लोकसभा चुनाव लड़ूं। मैंने विनम्रता से मना कर दिया, लेकिन 2021 चुनावों में दीदी ने मुझसे फिर चुनाव लड़ने को कहा मुझसे शिवपुर से लड़ने को कहा गया। मुझे लगा कि मैं बदलाव कर सकता हूं तो मैंने चुनाव लड़ा।

उत्तर बंगाल में शेखावत का दमदार प्रदर्शन, 93 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ भाजपा को बड़ी जीत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 28 सीटों पर प्रचार किया, 26 पर भाजपा जीती

➤ कई सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का अंतर 70 हजार वोटों से अधिक रहा

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री और जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने उत्तर बंगाल में भाजपा की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 93 प्रतिशत का प्रभावशाली स्ट्राइक रेट दर्ज किया। उन्होंने 28 सीटों पर प्रचार किया, जिनमें से 26 पर भाजपा को जीत मिली। कई सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का अंतर 70 हजार वोटों से अधिक रहा, जो राज्य में पार्टी के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है। पार्टी नेतृत्व ने केंद्रीय मंत्री शेखावत को कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी जैसे रणनीतिक और सीमावर्ती जिलों की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने करीब 15 दिनों तक लगातार क्षेत्र में कैंप कर डोर-टू-डोर कैंपेन, रोड शो, नुक्कड़ सभाएं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर चुनावी माहौल तैयार किया। बूथ मैनेजमेंट को मजबूत करते हुए उन्होंने स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया और मारवाड़ी समुदाय समेत विभिन्न सामाजिक समूहों का समर्थन जुटाया। 2021 के विधानसभा चुनाव में शेखावत के आक्रामक और परिणामोन्मुखी अभियान को देखते हुए ही पार्टी ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी थी। इस बार उन्होंने इसे नतीजों में तब्दील कर दिया। 26 सीटों पर जीत का अंतर सामान्य नहीं, बल्कि रिकॉर्ड स्तर का रहा। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी में 1,04,265 वोटों की बढ़त, डाबग्राम-फुलबाड़ी में 97,715, सिलीगुड़ी में 73,192, अलीपुरद्वार में 70,420 और कूचबिहार उत्तर में 70,384 वोटों से जीत के आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला एकतरफा था। जलपाईगुड़ी (68,805), माथाभांगा (57,090), मयनागुड़ी (56,503) और कुमारग्राम (52,877) जैसी सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों ने 50 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। मदारीहाट, फांसीदेवा और फालाकाटा में भी जीत का अंतर 40 हजार से ऊपर रहा, जो संगठनात्मक पकड़ और वोट ट्रांसफर की सटीकता को दिखाता है। केंद्रीय मंत्री शेखावत की रणनीति सिर्फ रैलियों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों की समस्याओं, जैसे सुरक्षा, घुसपैठ, विकास और पहचान को सीधे मतदाताओं के बीच उठाया।

भाजपा के राज्य प्रभारी सुनील बंसल को समानित और बधाई देते श्री सहस्रार्जुन जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष विकास जायसवाल, संयुक्त मंत्री मनोहर जायसवाल, राजीव जायसवाल, संजय जायसवाल, उप कोषाध्यक्ष संतोष जायसवाल, कप्तान रतन जायसवाल, धीरज कुमार साव, पंकज गुप्ता, लालता प्रसाद जायसवाल, कृष्ण जायसवाल।

विधानसभा कार्यालय से बिमान बनर्जी ने ली विदाई, कहा... 'विधायक के तौर पर आता रहूंगा'

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को मिली हार के बाद मंगलवार को स्पीकर बिमान बनर्जी ने विधानसभा कार्यालय से विदाई ले ली। जाते-जाते उन्होंने कहा कि जीत-हार लगी रहती है। हालांकि, मैं विधायक के तौर पर विधानसभा आता रहूंगा। जानकारी के अनुसार, स्पीकर बिमान बनर्जी मंगलवार की दोपहर अचानक विधानसभा पहुंचे। उन्हें देखकर विधानसभा के अधिकारी उनसे मिलने आए। उन्होंने सबसे हालचाल पूछा। इसके बाद, वे अपने कार्यालय गए, कुछ सामान और अपनी कुछ तस्वीरें लीं और कार में बैठकर विधानसभा परिसर से निकल गए। जाते समय उन्होंने कहा कि जीतना या हारना वक्त की बात है। लेकिन, बतौर विधायक विधानसभा आते रहेंगे। हालांकि, उनकी जगह बदल जाएगी। उन्हें प्रतिपक्ष सीट पर बैठना होगा।

श्यामपुकुर विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित भाजपा विधायक पूर्णिमा चक्रवर्ती के समर्थन में निकली विजय रैली में कार्यकर्ता-समर्थक आए झूमते नजर

उत्तर हावड़ा के विधायक उमेश राय का पगड़ी पहना कर बधाई देते हुए मंडल 2 के सचिव रितेश खटेड़

बहरामपुर के नवनिर्वाचित विधायक ने मृत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए कराया मुंडन

मुर्शिदाबाद : जिले के बहरामपुर से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक सुब्रत मैत्रा ने मुंडन कराकर तर्पण किया और कहा कि उन्होंने ऐसा 2021 में राज्य विधानसभा चुनाव के बाद मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं की स्मृति में किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यकर्ताओं के बलिदान ने ही पार्टी को राज्य में सत्ता तक पहुंचाया। मैत्रा ने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद 'तृणमूल के गुंडों ने' कई भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि पार्टी उनके बलिदान और संघर्ष को कभी नहीं भूलेगी। नवनिर्वाचित विधायक ने कहा कि मैंने उन आत्माओं की शांति के लिए यह पूजा-अर्चना की। उनके योगदान के बिना भाजपा सत्ता में नहीं आ सकती थी। इस मौके पर भाजपा के कई समर्थक और स्थानीय नेता भी मौजूद थे।

भाजपा की प्रचंड जीत के बाद हावड़ा जिला अध्यक्ष गौरांग भट्टाचार्य,भाजपा नेता भरत पुलासरिया एवं कार्यकर्ता जीत का जश्न मनाते हुए।

आईआईएम कोलकाता के डायरेक्टर प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्यपाल आर. एनं. रवि से कीं शिष्टाचार मुलाकात

बेरोजगार शिक्षकों को नई सरकार से उम्मीद

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में भाजपा की जबरदस्त जीत के बाद, बेरोजगार शिक्षकों के एक तबके ने मंगलवार को कहा कि अब वे नई सरकार से अपनी नौकरी बहाली के लिए कुछ उचित कदम उठाने की उम्मीद कर रहे हैं। शिक्षकों ने कहा कि उन्होंने अपने सामने मौजूद 'अनिश्चित भविष्य' को ध्यान में रखते हुए वोट दिया, और उम्मीद जताई कि नया प्रशासन पारदर्शी और समय पर नियुक्तियों की उनकी लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करेगा।

ईडी ने कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु के खिलाफ जारी किया लुकआउट नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह लुकआउट नोटिस बिस्वास द्वारा ईडी की ओर से जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के बाद जारी किया गया है। अधिकारी ने बताया कि बिस्वास द्वारा भारत छोड़ने के किसी भी संभावित प्रयास को रोकने के लिए नोटिस को हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य जगहों पर वितरित किया गया है। अधिकारी ने कहा कि उन्हें पांच बार एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया था, लेकिन वे एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। उनकी ओर से लगातार असहयोग को देखते हुए, हमें संदेह है कि वह विदेश जाकर जांच से बचने की कोशिश कर सकते हैं। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि उसकी जांच के दौरान बिस्वास ने अपने खिलाफ जारी किए गए कई समन का पालन नहीं किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज का आरोप, हटाए गए आसनसोल दक्षिण थाना प्रभारी

आसनसोल : आसनसोल दक्षिण थाना क्षेत्र के बाजार इलाके में सोमवार की रात भाजपा कार्यकर्ताओं पर कथित लाठीचार्ज की घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। घटना के बाद आसनसोल दक्षिण थाना प्रभारी मेष दास को लाइन क्लोज कर दिया गया है, जबकि साइबर थाने के प्रभारी विश्वजीत मुखर्जी को नए प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा की जीत के बाद कार्यकर्ता इलाके में जश्न मना रहे थे। इसी दौरान पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने का आरोप लगा, जिससे नाराज कार्यकर्ताओं ने दक्षिण थाना का घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें लाइन क्लोज कर दिया। साथ ही, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नए प्रभारी की नियुक्ति की गई है। फिलहाल, इलाके में स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

क्लियरट्रिप ने शुरू की ट्रेन टिकट बुकिंग, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म को मजबूती

कोलकाता, समाज्ञा : क्लियरट्रिप ने आईआरसीटीसी के साथ साझेदारी में ट्रेन टिकट बुकिंग सेवा शुरू की है। अब यूजर्स एक ही प्लेटफॉर्म पर फ्लाइट, होटल, बस, ट्रेन और हॉलिडे पैकेज बुक कर सकेंगे। नई सुविधा के तहत यात्री जनरल और तत्काल कोटा में टिकट बुकिंग के साथ रियल-टाइम सीट उपलब्धता, किराया जानकारी, पीएनआर स्टेटस और बर्थ चयन जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। कंपनी के अनुसार, यह पहल एक यूनिफाइड मल्टी-मॉडल ट्रैवल प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में अहम कदम है। भारत में हर साल करोड़ों लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं, ऐसे में क्लियरट्रिप इस बड़े बाजार को ध्यान में रखते हुए अपने प्लेटफॉर्म को और विस्तार दे रही है।

17 साल बाद आसनसोल में खोला गया बस्तिन बाजार दुर्गा मंदिर, अब रोजाना होगी पूजा

आसनसोल : विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद लंबे समय से बंद पड़े बस्तिन बाजार स्थित दुर्गा मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए सोमवार की शाम खोल दिया गया। इधर, मंदिर का ताला खुलते ही घंटी की आवाज के साथ-साथ जय श्रीराम के नारे गूंजने लगे। बता दें कि आसनसोल दक्षिण थाना क्षेत्र स्थित श्री श्री दुर्गामाता चैरिटेबल ट्रस्ट के इस मंदिर में 2009 के बाद से ही नियमित पूजा बंद थी। केवल दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और काली पूजा के दौरान सीमित दिनों के लिए ही मंदिर खोला जाता था। सोमवार को आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णेंदु मुखर्जी की जीत की घोषणा हुई। इसके बाद, भाजपा कार्यकर्ता व सनातनी संगठनों के लोग मंदिर पहुंचे और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना शुरू कर मंदिर को खोल दिया। मंगलवार को भी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब मंदिर नियमित रूप से खुलेगा और पूजा होगी। इस वर्ष मंदिर अपने निर्माण के 75 वर्ष भी पूरे कर रहा है, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ गई है। बताते चलें कि बंगाल चुनाव के दौरान बस्तिन बाजार दुर्गा मंदिर चर्चा में था। आसनसोल की चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने भाषण में मंदिर का जिक्र किया था। वहीं, मंदिर खोले जाने के बाद भाजपा विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि एक समुदाय विशेष को खुश रखने के लिए तृणमूल सरकार ने मंदिर को बंद रखा था। इधर, ट्रस्ट के प्रमुख संजय अग्रवाल के अनुसार नई सरकार के गठन के बाद सरकार के स्तर से विधिवत पत्र मिलने के बाद मंदिर के विकास को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान के कई जिलों में मध्यम से तेज बारिश

जयपुर: राजस्थान के कई हिस्सों में मंगलवार को गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश हुई, जिसके साथ तेज हवाएं भी चलीं। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक विभिन्न स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि भीलवाड़ा में 32 मिमी, चूरू में 24.2 मिमी, कोटा और फतेहपुर में 11.6 मिमी, पाली में 11 मिमी, श्रीगंगानगर में 7.4 मिमी तथा सीकर और चित्तौड़गढ़ में 7 मिमी वर्षा हुई। विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में जयपुर जिले के शाहपुरा में सर्वाधिक 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण राज्यभर में अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को बाड़मेर सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, इसके बाद फलौदी में 41 डिग्री सेल्सियस रहा।

झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, नौ मई तक मौसम खराब रहने का अनुमान

रांची: झारखंड के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई और मौसम विभाग ने राज्य में नौ मई तक बारिश, गरज के साथ बूंदाबांदी और दिन के तापमान में गिरावट का अनुमान जताया है। राज्य की राजधानी में स्थित मौसम विज्ञान कार्यालय ने बताया कि बोकारो जिले के तेनुघाट में सबसे अधिक 82.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जबकि खूंटी जिले में 26.5 मिमी. और रांची में 19.6 मिमी. बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम बुलेटिन के अनुसार, राज्य में नौ मई तक बादल छाए रहने और बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए दस जिलों में लोगों को बुधवार सुबह तक भारी बारिश और गरज के साथ बूंदाबांदी के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। ये दस 10 जिले धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम हैं। राज्य में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा जिसमें डाल्टनगंज में दिन का उच्चतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

'ट्रेड यूनियन वाली सोच' से दूर रहकर सकारात्मक नजरिया अपनायें शिक्षा मित्र : आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के 'शिक्षा मित्रों' से 'ट्रेड यूनियन वाली सोच' से दूर रहने और टकराव के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाने का आह्वान करते हुए उनसे सकारात्मक और रचनात्मक नजरिया अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने 'शिक्षा मित्र सम्मान समारोह' को सम्बोधित करते हुए कहा शिक्षा मित्रों की लंबे समय से लंबित मांगों को उजागर करते हुए कहा कि हालांकि उनकी चिंताएं वास्तविक थीं, लेकिन दृष्टिकोण रचनात्मक होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'सालों से आपकी मांगें थीं लेकिन उन्हें स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने देने के बजाय अक्सर टकराव के माध्यम से उन्हें पूरा कराने की कोशिश की गई। हमें बातचीत के माध्यम से समाधान की ओर बढ़ना चाहिए।' यह समारोह राज्य में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत सभी एक लाख 43 लाख शिक्षा मित्रों के मानदेय को प्रतिमाह 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये किये जाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए उनके उन प्रयासों को 'अनियमिततापूर्ण और गैर-कानूनी' करार दिया जिनके तहत उन्होंने उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना शिक्षा मित्रों को सहायक शिक्षक का दर्जा देने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, 'पिछली सरकारों ने नियमों का उल्लंघन किया और जरूरी नियम बनाए बिना मान्यता देने की कोशिश की। ऐसे मनमाने कार्यों के कारण ही उच्चतम न्यायालय ने उनकी सेवाएं समाप्त करने का आदेश दिया था।' मुख्यमंत्री ने अदालत के इस आदेश के बाद पैदा हुए संकट का जिक्र करते हुए कहा, 'हमें एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा। लगभग डेढ़ लाख परिवारों की आजीविका छिनने का खतरा था। उनमें से कई लोगों ने 18-19 साल तक सेवा की थी। जीवन के उस पड़ाव पर वे कहां जाते?' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उनकी सेवाएं समाप्त न करने का फैसला किया और इसके बजाय उनके मानदेय में काफी वृद्धि की। आदित्यनाथ ने कहा, ''साल 2017 में हमने मानदेय साढ़े तीन हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया। हमारा इरादा हमेशा इसे समय-समय पर और बेहतर बनाने का रहा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में कुछ बिचौलियों ने शिक्षा मित्रों का शोषण किया था। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा, 'एक शिक्षक का नजरिया हमेशा सकारात्मक होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो इससे समाज को इतना ज्यादा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई मुमकिन नहीं है। माता-पिता ने जिन बच्चों को आपके भरोसे सौंपा है, उनका भविष्य आपके रवैये पर ही निर्भर करता है।'' उन्होंने शिक्षा मित्रों को श्रम संगठनों वाली सोच से दूर रहने की भी सलाह देते हुए कहा कि ऐसे तरीकों से समाज को नुकसान पहुंच सकता है।

साल 2017 से पहले लोग 'माफिया' और 'मच्छरों' से परेशान थे : आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि साल 2017 से पहले राज्य के लोग 'माफिया' और 'मच्छरों' से परेशान थे। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 से पहले गोरखपुर की छवि कैसी थी। सुरक्षा की कमी थी। लोग माफिया और मच्छरों से परेशान थे। लोग गोरखपुर का नाम सुनने से भी डरते थे, और कोई निवेश करने नहीं आता था। यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। उन्हें नौकरियों के लिए भटकना पड़ता था और अपनी पहचान छुपानी पड़ती थी। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के तारामंडल इलाके में दो-लेन के पुल का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज, नौजवानों न तो भटकना पड़ता है और न ही अपनी पहचान छुपानी पड़ती है। अकेले गोरखपुर में ही, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में उद्योगों के माध्यम से 50 हजार से अधिक युवाओं को नौकरियां और रोजगार मिला है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से का हवाई सर्वेक्षण किया

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भागलपुर जिले में गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से का मंगलवार को हवाई सर्वेक्षण किया और अधिकारियों को तीन महीने के भीतर इसे दुरुस्त करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने सेतु के क्षतिग्रस्त भाग की मरम्मत के साथ-साथ पूरे पुल के व्यापक मरम्मत कार्य को भी निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और इसे तुरंत शुरू किया जाए, ताकि पुल को जल्द से जल्द सुरक्षित तरीके से चालू किया जा सके। मुख्यमंत्री ने लोगों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक यातायात व्यवस्था अविलंब सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, स्टीमर के परिचालन में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने और उस पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि मरम्मत कार्य में गुणवत्ता और समयसीमा दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए। भागलपुर जिले में स्थित लगभग 4.7 किलोमीटर लंबे विक्रमशिला सेतु का एक हिस्सा रविवार देर रात ध्वस्त हो गया था। यह सेतु भागलपुर और नवगछिया के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के रूप में कार्य करता है। हवाई सर्वेक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने सुल्तानगंज-अगुवानी सेतु निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इस परियोजना को क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि इसके पूरा होने से क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा लोगों की आवाजाही सुगम बनेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास 'लोक सेवक आवास' के नाम से जाना जाएगा

पटना: बिहार में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को अब 'लोक सेवक आवास' के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, पटना में एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए तत्काल प्रभाव से 'लोक सेवक आवास, अणे मार्ग, पटना' के रूप में नामित किया गया है। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के एक अणे मार्ग स्थित आवास को अब नए नाम से जाना जाएगा। इससे पहले राज्यपाल के आधिकारिक निवास राजभवन का नाम भी बदला गया था। एक दिसंबर 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, बिहार के राजभवन को 'बिहार लोक भवन' नाम दिया गया था।

गोमती में डूबा युवक; सुल्तानपुर में 13 साल के लड़के ने तीन किशोरों को बचाया

सुलतानपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में मंगलवार को नहाते समय 23 वर्षीय एक व्यक्ति गोमती नदी में डूब गया, जबकि 13 वर्षीय एक लड़के ने अद्भुत साहस दिखाते हुए तीन अन्य किशोरों को डूबने से बचा लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर बेलहरी गांव निवासी कुलदीप के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, कुलदीप तीन लड़कों - मंजीत (15), कल्लू (13) और ओम लाल (15) के साथ मछली पकड़ने के लिए नदी पर गया था। उन्होंने बताया कि बाद में चारों नहाने के लिए नदी में उतरे लेकिन गलती से गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्होंने बताया कि पास में भैंस चरा रहे राजकुमार (13) ने उन्हें पानी में देखा और उनकी सहायता के लिए दौड़ा। उन्होंने बताया कि निरंतर प्रयासों के बाद मंजीत, कल्लू और ओम लाल को बचाने में वह कामयाब रहा। उन्होंने बताया कि भारी शरीर के कारण कुलदीप को नहीं बचाया नहीं जा सका। थाना प्रभारी अखंड देव मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलने पर जयसिंहपुर के उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह और तहसीलदार मयंक मिश्रा मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से कुलदीप का शव नदी से बरामद किया गया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

माही नदी में नाव पलटी, आठ साल के बच्चे सहित दो लापता

जयपुर: राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को माही नदी में एक नौका पलटने की घटना में एक आठ वर्षीय बच्चा और एक युवक लापता हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना भैंसाउ गांव के पास अरथुना थाना क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि हादसे के दौरान नौका में 10-11 लोग सवार थे। अरथुना थाने के प्रभारी विनोद मीणा ने बताया कि आठ से नौ लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि जयेश (21) और मानव (8) लापता हो गए। उन्होंने कहा, स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस टीमों की मदद से तुरंत खोज अभियान शुरू किया गया। पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल रैगर ने बताया कि नाव पूरी तरह डूब चुकी है और अभी तक उसका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि सभी लोग भानो का पाड़ा गांव के निवासी थे और माही व अनास नदियों के संगम पर स्थित संगमेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी दोपहर में यह हादसा हुआ।

धोनी की गौरमौजूदगी से मायूस हुए प्रशंसक

नयी दिल्ली: करिश्माई विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में यहां के अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे दर्शकों को मंगलवार को मायूसी का सामना करना पड़ा। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले के लिए उनका 'माही' मैदान पर उतरेगा और अगर वह मैच ना भी खेले तो कम से कम उनकी झलक देखने को मिलेगी। पांच बार के चैंपियन 44 साल के धोनी पिंडली की चोट के कारण इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। लीग की शुरुआत में सुपरकिंग्स ने कहा था कि वह दो सप्ताह के लिए टीम से बाहर हैं, लेकिन आईपीएल में पांच सप्ताह से अधिक बीत जाने के बाद भी टीम से बाहर रहने पर उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मूल रूप से झारखंड के गिरिडीह की रहने वाली केंद्रीय अर्धसैनिक बल से जुड़ी ममता खल्खो अपनी आठ साल की बेटी और 12 साल के बेटे के साथ धोनी को खेलते हुए देखने की उम्मीद से स्टेडियम पहुंची थीं, लेकिन जब उन्हें पता चला कि धोनी टीम के साथ दिल्ली नहीं आए हैं, तो वह और चेन्नई सुपरकिंग्स की धोनी के नाम की जर्सी पहने उनके दोनों बच्चे निराश हो गए। ममता ने कहा, ''मेरे बच्चे झारखंड में अपने दादा-दादी के साथ रहते हैं और इस मैच के लिए यहां आए हैं। मेरे पति भी धोनी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। बच्चों के साथ उन्हें ही आना था, लेकिन बीमारी के कारण मुझे छुट्टी लेकर यहां आना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'बच्चों को उम्मीद थी कि धोनी इस मैच को खेलें या न खेलें, कम से कम उनकी झलक तो दिख ही जाएगी। बच्चे इसी को लेकर उत्साहित थे, लेकिन आप कह रहे हैं कि धोनी दिल्ली आए ही नहीं हैं, तो यह हमारे लिए काफी निराशाजनक है।' दिल्ली के एक कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों का समूह भी चेन्नई सुपरकिंग्स और भारतीय टीम की धोनी के नाम वाली जर्सी पहनकर यहां मैच देखने पहुंचा, लेकिन उन्हें भी धोनी की गैरमौजूदगी के बारे में पता चलने के बाद निराशा हुई। इस समूह में कालकाजी के रहने वाले जितेंद्र अहलावत ने कहा, 'हमारी टोली ने तो धोनी को खेलते हुए देखने के लिए टिकट लिया था, लेकिन अगर वह यहां नहीं आए हैं, तो इसके बारे में टीमों को पहले से बताना चाहिए था। हमारा तो पैसा और समय दोनों खराब हुआ।'

सैमसन की तूफानी पारी से चेन्नई की दमदार जीत, दिल्ली को आठ विकेट से हराया

नयी दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स ने संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। धीमी और गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों में नाबाद 87 रन बनाए, जिसमें सात चौके और छह छक्के शामिल रहे।दिल्ली कैपिटल्स द्वारा दिए गए 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई है। दूसरी ओर, दिल्ली की इतने ही मैचों में छठी हार ने उसके प्लेऑफ के रास्ते को मुश्किल बना दिया है।चेन्नई की शुरुआत हालांकि धीमी रही और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ जल्दी आउट हो गए। इसके बाद सैमसन ने मोर्चा संभाला और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा (नाबाद 41) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। कार्तिक ने भी संयमित पारी खेलते हुए 31 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाए।इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने खराब शुरुआत के बाद सात विकेट पर 155 रन बनाए। टीम ने महज 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच 65 रन की साझेदारी ने पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में आशुतोष शर्मा की तेजतर्रार 14 रन की पारी से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी।चेन्नई के गेंदबाजों में नूर अहमद ने दो विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन और अन्य गेंदबाजों ने किफायती गेंदबाजी कर दिल्ली को बड़े स्कोर से रोका। बल्लेबाजी में सैमसन के आक्रामक तेवर और कार्तिक के साथ उनकी साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और चेन्नई को अहम जीत दिलाई।

भारत आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई: तीन बार के विश्व कप विजेता भारत ने मंगलवार को आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा जबकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारत मार्च में इतिहास रचते हुए टी20 विश्व कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बना था। साथ ही टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब जीता था। भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मुकाबलों को शत प्रतिशत और उससे पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को 50 प्रतिशत भार दिया गया है।' आईसीसी ने कहा, '275 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंक के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के और करीब आ गया है।'' दो बार के विजेता इंग्लैंड के 262 जबकि एक बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के 258 अंक हैं। आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष सात टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज (233) अपने-अपने स्थानों पर बरकरार हैं। हालांकि श्रीलंका (221) को छह रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं बांग्लादेश (225) एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका तथा उसके बीच का अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने कहा, ''उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई शक्ति अमेरिका ने छह अंक हासिल करते हुए दो स्थान की छलांग लगाई है। वह 13वें स्थान पर पहुंच गया है और उसने नीदरलैंड (14वें) तथा स्कॉटलैंड (15वें) को पीछे छोड़ दिया है।' आईसीसी ने कहा, ''नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार है जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने क्रमशः यूएई(18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ा।'

रोहित चोट से जल्दी उबर जाते तो मुंबई की स्थिति इस समय बेहतर होती: हरभजन

मुंबई: पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि अगर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जल्दी उबर जाते तो मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की बेहतर स्थिति में होती। रोहित ने चोट से उबरने के बाद सोमवार को यहां वापसी की और 84 रन की तूफानी पारी खेली। इससे उनकी टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 229 रन का लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित 12 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने के कारण बाहर हो गए थे और इसके बाद पांच मैचों में नहीं खेल पाए थे। हरभजन ने जियोहॉटस्टार से कहा, मैदान पर रहना महत्वपूर्ण होता है। डगआउट में बैठे रहने से आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन मैदान पर रहकर आप अंतर पैदा कर सकते हैं और रोहित शर्मा ने यही किया।' उन्होंने कहा, ''बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत नींव की जरूरत होती है और उन्होंने न सिर्फ अच्छी नींव रखी बल्कि उसे आगे भी बढ़ाया। अगर उन्होंने शतक बना लिया होता तो और भी अच्छा होता, लेकिन जितने समय तक वह क्रीज पर रहे, उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया।'

भारत एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में जापान से 0-3 से हारा

सुझोऊ (चीन): भारत को मंगलवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने दूसरे ग्रुप मैच में जापान की मजबूत टीम के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले हाफ में कोई गोल नहीं खाया लेकिन दूसरे हाफ में जापान की टीम पूरी तरह हावी रही और तीन गोल करके जीत दर्ज करने में सफल रही। पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद मैच का एक घंटा पूरा होने से ठीक पहले यूमी हयाशी (59वें मिनट) ने जापान को बढ़त दिला दी। फिर युज़ुहा इकेदा (76वें और 81वें मिनट में) ने दो गोल करके चार बार की चैंपियन टीम को ग्रुप बी में दूसरी जीत दिला दी। इस नतीजे के साथ जापान दो मैच में छह अंक के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया। भारत अपने पहले दो मैच में हार के बाद अंकों का खाता खोलने में नाकाम रहा है और ग्रुप तालिका में अंतिम स्थान पर है। ग्रुप बी के दिन में एक अन्य मुकाबले में लेबनान ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। अब क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की कोई भी उम्मीद बनाए रखने के लिए भारत को शुक्रवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में लेबनान को हराना होगा।

भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला खेलेंगी

भोपाल: भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीम एशिया कप की तैयारियों के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 से 20 मई तक यहां चार मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। यह श्रृंखला इस महीने के आखिर में जापान के काकामिगाहारा में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों टीम के लिए यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के केंद्र में 19 अप्रैल से अभ्यास शिविर भी लगाया गया था। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, ''इस शिविर के दौरान मुख्य ध्यान सभी विभागों में खिलाड़ियों के बुनियादी कौशल और क्षमता को मजबूत करने पर रहा है, ताकि वे आधुनिक हॉकी की जरूरतों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें।

थॉमस कप सेमीफाइनल में लक्ष्य की गैरमौजूदगी ने सबसे बड़ा अंतर पैदा किया: प्रणय

नयी दिल्ली: भारत के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने मंगलवार को कहा कि कोहनी की चोट के कारण लक्ष्य सेन की हाल में संपन्न थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ गैरमौजूदगी निर्णायक साबित हुई जिससे डेनमार्क में 2022 के चैंपियन भारत के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा। लक्ष्य को सेमीफाइनल से बाहर होना पड़ा क्योंकि उनकी दाहिनी कोहनी सूज गई थी। यह चोट उन्हें चीनी ताइपे के चो टिएन चेन के खिलाफ 90 मिनट तक चले कड़े और जोरदार क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान लगी थी। लक्ष्य की जगह युवा आयुष शेट्टी को टीम में शामिल किया गया जिन्होंने क्रिस्टो पोपोव का सामना किया लेकिन भारत को फ्रांस के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा और उसे डेनमार्क के हॉर्सेंस में कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान प्रणय ने कहा, ''मुझे लगता है कि सेमीफाइनल में लक्ष्य की गैरमौजूदगी ने हमारे लिए सबसे बड़ा अंतर पैदा किया। यह एक टीम प्रतियोगिता है जहां रैंकिंग मायने रखती है और शीर्ष खिलाड़ी आमतौर पर

शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ ही खेलते हैं।' उन्होंने कहा, 'बेशक लक्ष्य ने टिएन चेन के खिलाफ इतना बड़ा मैच जीता था... मुझे लगता है कि उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा था और शायद पोपोव के खिलाफ मैच का नतीजा हमारे पक्ष में आ सकता था। मेरा मानना है कि लक्ष्य पोपोव को हरा देते और अगले मैच में आयुष निश्चित रूप से हमारे लिए एलेक्स (लैनियर) के खिलाफ जीत हासिल कर लेते।' प्रणय 2022 में भारत की ऐतिहासिक पहली थॉमस कप जीत के मुख्य शिल्पकारों में से एक थे। तैंतीस साल के प्रणय ने कहा कि टीम प्रतियोगिता अक्सर किसी एक नतीजे पर निर्भर करती है और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ आयुष की शुरुआती हार ने संभवतः भारत को एक बड़ा झटका दिया।

पाकिस्तान हॉकी टीम के कोच ने कहा, 2019 में प्रो लीग में न खेलने से बहुत नुकसान हुआ

लाहौर: पाकिस्तान की हॉकी टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच मंजूर उल हसन का मानना है कि उनके देश ने 2019 में पहले एफआईएच प्रो लीग में भाग न लेकर गलती की, क्योंकि इससे खिलाड़ी शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बहुमूल्य अनुभव हासिल करने से वंचित हो गए। पाकिस्तान को एफआईएच प्रो लीग के पहले सत्र से बाहर कर दिया गया था क्योंकि उसने अपने पहले तीन मैच छोड़ दिए थे। इसके कारण उसे प्रो लीग की शीर्ष श्रेणी में जगह बनाने के लिए कम रैंकिंग वाली टीमों के साथ द्वितीय श्रेणी के नेशंस कप में खेलना पड़ा। पूर्व ओलंपियन ने मंगलवार को कहा, में जब एफआईएच प्रो लीग शुरू हुई थी तब उसमें न खेलना गलती थी। इससे हमारे खिलाड़ियों ने शीर्ष टीमों के खिलाफ खुद को परखने का बहुमूल्य मौका गंवा दिया।'' हसन ने कहा, ''अगर आप अन्य टीमों को देखें तो वे 2019 से प्रो लीग में खेल रही हैं। हम उसमें हिस्सा नहीं ले पाए और हमारे खिलाड़ियों को निम्न रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

मादक पदार्थों की बिक्री के आरोप में भोजनालय ध्वस्त

रामबन/जम्मू : रामबन जिले के चंदरकोट में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित एक भोजनालय को मादक पदार्थों की बिक्री में संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि 'माखन ढाबा' का स्वामित्व पंजाब निवासी माखन सिंह के पास था और वह लगभग 40 वर्षों से चंदरकोट में रह रहा है। पुलिस के अनुसार, इस ढांचे का इस्तेमाल स्थानीय लोगों के साथ-साथ राजमार्ग चालकों को प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति करने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में जारी 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर' पहल के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के हिस्से के रूप में की गई।

मप्र में तस्करी कर ले जाया जा रहा 3,000 किलो से अधिक डोडाचूरा जब्त

इंदौर : केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की मध्यप्रदेश इकाई ने प्रदेश के रतलाम जिले में आलू चिप्स की आड़ में ट्रक के जरिये तस्करी कर ले जाया जा रहा 3,000 किलोग्राम से अधिक डोडाचूरा जब्त किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर सीबीएन के विशेष दल को जावरा-रतलाम रोड पर एक ढाबे के पास लावारिस हालत में एक ट्रक तीन मई को खड़ा मिला। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक निगरानी के बावजूद कोई संदिग्ध व्यक्ति ट्रक के पास नहीं आया जिसके बाद इसकी तलाशी ली गई। अधिकारियों के मुताबिक तलाशी के दौरान ट्रक से 157 बोरियों में भरा करीब 3,160 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया जिसे आलू चिप्स की 150 बोरियों की आड़ में छिपाया गया था।

जम्मू-कश्मीर: पुंछ में मुगल रोड से वाहन गहरी खाई में गिरा, दो की मौत

पुंछ/जम्मू : जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में मुगल रोड पर एक वाहन के फिसलकर गहरी खाई में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना सोमवार देर रात हुई। हादसे के समय वाहन में चार लोग सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही पुंछ पुलिस ने इलाके में बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त वाहन छड्डापानी के पास एक नाले में मिला, जहां दो शव बरामद किए गए।

सुकेश की पत्नी को 200 करोड़ रुपये के जबरन वसूली मामले में जमानत नहीं, ईडी मामले में राहत मिली

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने लीना पॉलोस को उनके पति, कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के जबरन वसूली मामले में जमानत देने से मंगलवार को इनकार कर दिया, लेकिन संबंधित धनशोधन मामले में उसे राहत प्रदान की। दिल्ली पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे दो मामलों में पॉलोस की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने कहा, ''मैंने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका), मामले में आवेदन खारिज कर दिया है, लेकिन (ईडी मामले में) स्वीकार कर लिया है।'' दिल्ली पुलिस ने चंद्रशेखर के खिलाफ रैनबैक्सी के पूर्व प्रवर्तक शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है।

रक्षा मंत्रालय ने मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ अनुबंध किया

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय सेना के लिए पांच ज़मीन-आधारित मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली खरीदने की खातिर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 1,476 करोड़ रुपये का अनुबंध किया। मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से सेना के निगरानी और नेटवर्किंग ढांचे को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली में कम से कम 72 प्रतिशत सामग्री स्वदेशी होंगी। मंत्रालय ने कहा कि इस करार पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों के खिलाफ कड़े रुख से राजग के पक्ष में वोट पड़े: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों के खिलाफ उनकी सरकार के 'अडिग रुख' ने इस साल के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के पक्ष में जनता को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत असम के मूल निवासियों की जीत है और उन्होंने राज्य में विकास कार्यों को जारी रखने का आश्वासन दिया। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ''पिछले पांच वर्षों में राज्य में हुए अभूतपूर्व

विकास और 'डबल इंजन' सरकार हमारी जीत के मुख्य कारणों में से एक हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने असमिया 'जाति' (समुदाय) की सुरक्षा का आश्वासन दिया था और इसे पूरा करने के लिए कदम उठाए। असम ने सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में प्रगति की है। बांग्लादेश मूल के मुसलमानों के खिलाफ हमारे अडिग रुख का भी प्रभाव पड़ा।'' राजग ने 126 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 102 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की। भाजपा ने 82 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी एजीपी और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने 10-10 सीटें हासिल कीं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राजग को 'जेन जेड' समेत सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त हुआ, जो भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए युवा चेहरों की जीत से स्पष्ट था। उन्होंने गुवाहाटी सेंट्रल से निर्वाचित विधायक विजय गुप्ता का जिक्र करते हुए भाजपा के विधायकों में 'बाहरी' होने के आरोप को खारिज कर दिया।

हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को दे सकते हैं इस्तीफा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात करके उन्हें अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं, जिससे नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। शर्मा ने यहां पत्रकारों से कहा कि चुनाव परिणाम आधिकारिक तौर पर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सौंपे जाने के बाद वह उनसे मुलाकात करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बुधवार सुबह आचार्य को अंतिम परिणाम सौंपने वाले हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, विजय ने सरकार बनाने का भरोसा जताया

चेन्नई : द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल करने वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की चुनावी जीत के एक दिन बाद मंगलवार को एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं टीवीके प्रमुख विजय ने बहुमत की कमी के बावजूद सरकार बनाने का भरोसा जताया। स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहते हुए भी प्रभावी ढंग से काम करेगी। टीवीके के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी साधारण बहुमत से 10 सीटें कम हैं। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास केवल 108 सदस्य हैं। इस बीच, पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि टीवीके ने अपने विधायकों के लिए पास के मामल्लापुरम स्थित एक रिसॉर्ट में ठहरने की व्यवस्था की है ताकि वे

सात मई को होने वाले विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकें। सात मई को ही स्टालिन ने 2021 में मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था। एक सूत्र ने बताया कि मंगलवार का दिन नवगठित टीवीके के संस्थापक विजय के लिए काफी व्यस्त रहा। उन्होंने पार्टी मुख्यालय का दौरा किया और सरकार के गठन का आश्वासन दिया। उनका यह आश्वासन त्रिशंकु विधानसभा जैसी स्थिति और द्रमुक के सहयोगी थोल थिरुमावलवन (वीसीके प्रमुख) के इस दावे के बाद आया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव परिणाम ने राज्य में गठबंधन सरकार के लिए रास्ता साफ कर दिया है। द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के प्रमुख घटक कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि टीवीके ने सरकार के गठन में कांग्रेस का समर्थन मांगने के लिए संपर्क किया है, लेकिन इस बारे में कोई फैसला कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व करेगा। तेजी से हो रहे घटनाक्रमों के बीच, विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को सूचित करते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया। पार्टी ने कहा कि उसे 108 सीटें हासिल की हैं और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते उसे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर इंडिगो के विमान में पावर बैंक में आग लगी, आपातकालीन निकासी कराई गई

चंडीगढ़/नयी दिल्ली : चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर मंगलवार को खड़े इंडिगो के एक विमान में सवार एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने के बाद सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। विमानन कंपनी की ओर से जारी एक बयान में कहा, ''पांच मई 2026 को हैदराबाद से चंडीगढ़ पहुंची इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई108 जब हवाई अड्डे पर खड़ी थी, तब एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में आग लगने की घटना सामने आई।'' बयान के अनुसार, ''सुरक्षा के मद्देनज़र तुरंत निकासी कराई गई और संबंधित सभी अधिकारियों को फौरन सूचित किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से टर्मिनल तक पहुंचा दिया गया है और टीम उनकी देखभाल कर रही है।'' सूत्र ने बताया कि विमान के उतरने के तुरंत बाद केबिन में सामान रखने वाली जगह से धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया। सूत्र के अनुसार, यह धुआं पावर बैंक में आग लगने के कारण निकला था और इस घटना में किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस उड़ान में सवार एक यात्री ने मीडिया को बताया कि जैसे ही विमान हवाई अड्डे पर उतरा, आग लगने की यह घटना घटी। यात्री ने बताया कि यात्रियों की निकासी के दौरान उसी उड़ान में सवार उसकी पत्नी का टखना मुड़ गया।

मुख्यमंत्री मान राष्ट्रपति से मिले; छह रास सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की

नयी दिल्ली : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे राज्य के उन छह राज्यसभा सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने का आग्रह किया जो हाल में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के साथ मान दिल्ली में राष्ट्रपति भवन गए। आम आदमी पार्टी (आप) को 24 अप्रैल को उस समय बड़ा झटका लगा था जब राज्यसभा में उसके 10 सदस्यों में से सात-राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल ने यह आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी कि 'आप' अपने मूल्यों और मूल सिद्धांतों से भटक गई है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मान ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए सात सांसदों के दल-बदल को संविधान की हत्या बताया। उन्होंने कहा, ''सात सांसदों का दूसरी पार्टी में विलय करना पूरी तरह से असंवैधानिक है। मैंने राष्ट्रपति जी से इस बारे में विस्तार से बात की।'' मान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को बताया कि भाजपा

के पास (पंजाब में) केवल दो विधायक सीट हैं, जबकि राज्यसभा में उसके छह सांसद हैं। उन्होंने सवाल किया, यह कैसे संभव है? क्या यह संविधान का मजाक नहीं है? मान ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, '' अगर वे दिल से इतने क्रांतिकारी हैं तो उन्हें अपनी सीटों से इस्तीफा दे देना चाहिए था। आम आदमी पार्टी किसी और को भेज सकती थी।'' मान ने आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र राष्ट्रपति को सौंपा। उन्होंने 'निर्वाचित' और 'चयनित' शब्दों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, ''वे 'चयनित' थे। इसलिए, उनकी सदस्यता रद्द कर दी जानी चाहिए।''

पारसी महिलाओं को अंतरधार्मिक विवाह पर बहिष्कृत करना भेदभावपूर्ण: शीर्ष अदालत

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि अंतरधार्मिक विवाह करने पर पारसी महिलाओं का धार्मिक बहिष्कार प्रथम दृष्टया भेदभावपूर्ण प्रतीत होता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25(1) के तहत अंत:करण का अधिकार जन्म से प्राप्त होता है और इसे विवाह के आधार पर छीना नहीं जा सकता। इस पीठ में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रशांत बी. वराले, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और जॉयमाल्या बागची भी शामिल हैं। पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और अलग-अलग धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही थी।

मध्यप्रदेश की अदालत ने जबलपुर नौका हादसे में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया

जबलपुर : मध्यप्रदेश की एक अदालत ने जबलपुर जिले में बरगी बांध जलाशय में नौका दुर्घटना के मामले का मंगलवार को संज्ञान लेते हुए पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायिक मजिस्ट्रेट डी पी सुत्राकर की अदालत ने कहा कि क्रूज नौका चालक और अन्य कर्मियों द्वारा डूब रहे यात्रियों को बचाने के लिए कोई प्रयास नहीं करना ''गैर इरादतन हत्या के प्रयास'' की श्रेणी में आता है। अदालत ने बरगी थाने को दो दिन के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा संचालित यह नौका 30 अप्रैल को पलट गई थी, जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 28 लोगों को बचा लिया गया था। राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि समाचार पत्रों और सोशल मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के आधार पर यह पता चला है कि नौका चालक लापरवाही और अनुचित तरीके से इसका परिचालन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। अदालत ने कहा कि नौका चालक खुद सुरक्षित निकल गया और यात्रियों को डूबने के लिए छोड़ दिया।

भारत और जापान की दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल के विषय पर अहम बैठक

नयी दिल्ली : भारत और जापान ने मंगलवार को स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग, स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने तथा नवाचार को बढ़ावा देने के साझा दृष्टिकोण पर आधारित है। नड्डा भारत मंडपम में आयोजित भारत और जापान के बीच स्वास्थ्य देखभाल पर तीसरी संयुक्त समिति (जेसीएम) की बैठक में बोल रहे थे, जिसकी सह-अध्यक्षता उन्होंने जापान के स्वास्थ्य नीति प्रभारी मंत्री किमी ओनोडा के साथ की। जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलील श्रीवास्तव ने कहा, ''भारत-जापान सहयोग ज्ञापन के तहत आयोजित संयुक्त समिति की बैठक नियमित संवाद और गहरी पारस्परिक समझ के माध्यम से इस साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई है।'' नड्डा ने कहा कि यह बैठक स्वास्थ्य क्षेत्र में नई साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती

है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान सहयोग स्वास्थ्य देखभाल और आरोग्य में सहयोग के साथ-साथ स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने के साझा लक्ष्य द्वारा निर्देशित है। नड्डा ने कहा कि यह संबंध विभिन्न क्षेत्रों में एक सदी से अधिक के जुड़ाव पर आधारित है और उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के मार्गदर्शक सिद्धांत के तहत समावेशी विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। ओनोडा ने नवाचार, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में भारत के साथ जापान की निरंतर भागीदारी की पुष्टि की।

हम सक्रिय विपक्ष की भूमिका निभाएंगे, लोगों से जुड़े मुद्दे उठाएंगे: गौरव गोगोई

गुवाहाटी : असम में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन के एक दिन बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राज्य में सक्रिय विपक्ष की भूमिका निभाएगी और लोगों से जुड़े मुद्दे उठाएगी। गुवाहाटी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में गोगोई ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगर कोई जनविरोधी नीति अपनाई जाती है, तो उसका विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, हम लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए एक सक्रिय विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस लोगों की

प्रतिक्रिया जानने के लिए एक बार फिर उनके बीच जाएगी और फिर पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, हम भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कामकाज पर नजर रखेंगे। अगर कोई जनविरोधी रुख अपनाया गया, तो हम आवाज उठाएंगे। गोगोई ने कहा कि वह असम विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन के कप्तान थे और उसकी करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। यह पूछे जाने पर कि पार्टी और विपक्षी गठबंधन कहां विफल रहे, गोगोई ने कहा, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या गलत हुआ। हम आने वाले दिनों में नतीजों का विस्तृत विश्लेषण करेंगे।

असम चुनाव: भाजपा की वोट हिस्सेदारी 4.6 प्रतिशत बढ़ी, 22 सीटों का इजाफा

गुवाहाटी : सोमवार को आए चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम में दलों की वोट हिस्सेदारी संबंधी निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि असम में भाजपा के पक्ष में 4.6 प्रतिशत अधिक मत पड़ने से उसे 2021 के मुकाबले 22 ज़्यादा सीटें मिलीं और उसने कुल 82 सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी ओर, कांग्रेस की वोट हिस्सेदारी में मामूली 0.17 प्रतिशत अंकों की बढ़ोतरी हुई लेकिन पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले उसकी सीटों की संख्या 10 कम होकर इस बार 19 रह गई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 102 सीटें जीतीं, जो अब तक का उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

पश्चिम बंगाल चुनावों में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व समाप्त हो चुका है : बिप्लव देब

अगरतला : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बिप्लब कुमार देब ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब खत्म हो चुकी है। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे पश्चिम बंगाल में तृणमूल के लगातार 15 साल के शासन का अंत हुआ और राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक निर्णायक बदलाव आया। देब ने कहा, पश्चिम बंगाल चुनावों में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। तृणमूल कांग्रेस सरकार के कुशासन से जनता को मुक्ति दिलाने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी हूं। बिप्लव ने पश्चिम बंगाल चुनावों में पार्टी के सह-प्रभारी के रूप में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों को लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत और तृणमूल की डर, तुष्टीकरण और कुप्रबंधन की राजनीति की करारी हार बताया। उन्होंने सत्ता परिवर्तन के लिए बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए पश्चिम बंगाल की जनता की सराहना भी की। उनकी नई जिम्मेदारी के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मुझे सौंपी गई हर जिम्मेदारी मैंने पूरी निष्ठा से निभाई है। जब उनसे पूछा गया कि बंगाल का मुख्यमंत्री कौन होगा, तो उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पार्टी फैसला करेगी। इससे पहले, बंगाल में भाजपा की जीत के बाद बिप्लब देब के एमबीबी हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पार्टी के हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

असम, बंगाल में जनादेश की चोरी लोकतंत्र खत्म करने की दिशा में भाजपा का बड़ा कदम: राहुल

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि असम और पश्चिम बंगाल में जनादेश की चोरी देश के लोकतंत्र को नष्ट करने के भारतीय जनता पार्टी के मिशन के तहत उठाया गया बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह बात कांग्रेस के कुछ लोगों और उन दूसरे लोगों को अच्छी तरह समझने की जरूरत है जो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं। भाजपा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 206 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसने असम में जीत की हैट्रिक लगाई है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस में कुछ लोग और अन्य लोग टीएमसी की हार पर खुश हो रहे हैं। उन्हें यह स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अपने मिशन में भाजपा का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, क्षुद्र राजनीति को किनारे रखें, यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है, यह भारत के बारे में है। पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 100 सीटों की लूट की है। राहुल गांधी ने उनके दावे का समर्थन किया था और आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग की मदद से भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव की चोरी की है।

हिमाचल प्रदेश में तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, तीन लोगों की मौत

मंडी (हिमाचल प्रदेश) : हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में नेरचौक के पास डडौर में सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय कार में पांच लोग सवार थे। अस्पताल में तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य को बिलासपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मंडी जिला निवासी

अनिल कुमार (28), रोहित कुमार (26) और सुभाष कुमार (23) के रूप में हुई है। घायलों की पहचान हरीश और पंकज के तौर पर हुई है। मंडी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद कुमार ने बताया कि इस संबंध में प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दुर्लभ बीमारियों के उपचार में भारत को अपने तरीके खोजने होंगे: आईसीएमआर प्रमुख

नयी दिल्ली : भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान परिषद (आईसीएमआर) के प्रमुख डॉ राजीव बहल ने मंगलवार को कहा कि भारत को दुर्लभ बीमारियों के निदान, उपचार और रोकथाम के लिए पश्चिमी पद्धतियों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय जनसंख्या-आधारित दृष्टिकोण, निवारक रणनीतियों और स्वदेशी नवाचार पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने दुर्लभ बीमारियों से निपटने के लिए संदर्भ-विशिष्ट मॉडल विकसित करने की जरूरत भी बताई। यहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय दुर्लभ रोग सम्मेलन को संबोधित करते हुए आईसीएमआर के

महानिदेशक ने कहा कि भारत को दुर्लभ बीमारियों के निदान, उपचार और रोकथाम के लिए पश्चिमी पद्धतियों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अपने तरीके ईजाद करने होंगे। उन्होंने कहा कि विकसित देशों के पास अधिक संसाधन हैं, फिर भी भारत जनसंख्या-आधारित दृष्टिकोण, निवारक रणनीतियों और सोशल मीडिया तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे उभरते उपकरणों सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से अपनी शक्तियों का लाभ उठाकर व्यापक पहुंच बना सकता है और शीघ्र निदान में सुधार कर सकता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सचिव बहल ने पिछले तीन दशकों में दुर्लभ रोगों के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''नब्बे के दशक में, किसी संदिग्ध दुर्लभ रोग से पीड़ित रोगी की पहचान होने पर उसकी सहायता मुश्किल होती थी, क्योंकि बीमारी का निदान अत्यंत कठिन था और उपचार के विकल्प लगभग अनुपलब्ध थे।''

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास थार रेगिस्तान में दिखाई दी दुर्लभ प्रजाति की बिल्लियां

जयपुर : भारत-पाकिस्तान सीमा के पास थार रेगिस्तान में दुर्लभ कैरेकल प्रजाति की बिल्लियां (स्याहगोश) दिखाई देने से वन्य जीव प्रेमी उत्साहित हैं और इस अत्यंत मायावी व गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति के संरक्षण की नई उम्मीदें जगी हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कैमरा ट्रैप और रेडियो-कॉलरिंग की मदद से राजस्थान के जैसलमेर के शाहगढ़ इलाके में दो दुर्लभ कैरेकल देखी हैं जिनमें से एक नर और एक मादा है। इससे इस प्रजाति की कुल दर्ज संख्या बढ़कर तीन हो गई है। उल्लेखनीय है कि यह कैरेकल कैट मध्यम आकार की जंगली बिल्ली होती है। इसकी एक विशेषता लंबे काले बालों वाले कान हैं। इसी

कारण इसे 'स्याहगोश' भी कहा जाता है। स्थानीय रूप से 'पदंग' के नाम से जानी जाने वाली कैरैकल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची एक के तहत संरक्षित है। कभी राजस्थान और गुजरात में बड़ी संख्या में पाई जाने वाली इस बिल्ली जैसी प्रजाति की आबादी में 95% से अधिक की गिरावट आई है। इसकी वजह हसके आवासीय क्षेत्र में कमी, बदले की भावना से की जाने वाली हत्याएं हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के सर्वेक्षणों के अनुसार भारत में अब केवल लगभग 50 कैरैकल ही बचे हैं। संस्थान ने कहा है कि वह इस प्रजाति के व्यवहार, आवागमन के तरीकों और पारिस्थितिकी पर एक विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन कर रहा है, जबकि भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट ने संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू किया है।

सरकार ने गन्ने का लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल किया

नयी दिल्ली: सरकार ने मंगलवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026-27 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) पर यह फैसला किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, ''10.25 प्रतिशत की मूल प्राप्ति (रिकवरी) दर के लिए एफआरपी 365 रुपये प्रति क्विंटल होगा।' मंजूर किया गया एफआरपी, मौजूदा 2025-26 सत्र की दर (355 रुपये प्रति क्विंटल) से 2.81 प्रतिशत अधिक है। हर 10.25 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर, एफआरपी में 3.56 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होती है। इससे ज्यादा रिकवरी को प्रोत्साहन मिलता है। सरकार ने उन किसानों के हित में कदम उठाया है जिनके गन्ने से मिलों को 9.5 प्रतिशत से कम गन्ना रस की प्राप्ति (रिकवरी) होती है। उनके लिए यह फैसला किया गया है कि ऐसे मामलों में एफआरपी में कोई कटौती नहीं की जाएगी। ऐसी मिलों को गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को वर्ष 2026-27 के सत्र में 338.3 रुपये प्रति क्विंटल मिलेंगे। सत्र 2026-27 के लिए गन्ने की उत्पादन लागत 182 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है, वहीं निर्धारित एफआरपी उत्पादन लागत से 100.5 प्रतिशत अधिक है। मंत्री ने कहा, ''किसानों को एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मिलने की उम्मीद है।'

मजबूत वृद्धि, स्थिर मुद्रास्फीति रहने पर मुद्रास्फीति लक्ष्य में कटौती पर विचार: डिप्टी गवर्नर

नयी दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि यदि अगले कुछ वर्षों में आर्थिक वृद्धि मजबूत और महंगाई दर स्थिर रहती है तो देश मुद्रास्फीति लक्ष्य को घटाने और उसके संतोषजनक दायरे में कटौती पर विचार कर सकता है। इसके साथ ही गुप्ता ने कहा कि अगर वैश्विक माहौल पिछले छह वर्षों की तरह चुनौतीपूर्ण बना रहता है, तो मौजूदा रूपरेखा को बनाए रखना जरूरी होगा। सरकार ने आरबीआई से परामर्श के बाद 31 मार्च, 2031 तक के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य ढांचे को अधिसूचित किया है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 20230-31 तक महंगाई दर को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाये रखने का लक्ष्य है। डिप्टी गवर्नर ने यहां एक सेमिनार में कहा कि भविष्य का महंगाई लक्ष्य ढांचा इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले वर्षों में वृद्धि और महंगाई का संतुलन किस दिशा में जाता है। उन्होंने कहा, यदि पिछले दशक की तरह मजबूत वृद्धि और कम एवं स्थिर महंगाई का रुझान जारी रहता है, तो अन्य देशों की तरह लक्षित दर को थोड़ा कम करने और दायरा संकुचित करने का मामला बन सकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 252 अंक फिसला

मुंबई: वैश्विक तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में 252 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 86 अंक टूटकर बंद हुआ। विश्-लेषकों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में बढ़ता तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम पर दबाव घरेलू बाजार में गिरावट की मुख्य वजह रही। इसके अलावा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी निवेशकों की

धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 251.61 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 754.37 अंक लुढ़ककर 76,515.03 के स्तर तक आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 86.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस में बढ़त दर्ज की गई।

एफडीआई आवेदनों के निपटान के लिए अद्यतन एसओपी जारी, 12 सप्ताह में होगा फैसला

नयी दिल्ली: प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रस्तावों के निपटान के लिए जारी अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत अब सरकार सभी आवेदनों पर 12 सप्ताह के भीतर फैसला करेगी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से जारी अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, प्रस्तावों पर निर्णय लेने के लिए अधिकतम 12 सप्ताह का समय निर्धारित किया गया है। इसमें आ-वेदकों के प्रस्तावों में कमियों को दूर करने या सक्षम प्राधिकारी द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराने में लगा समय शामिल नहीं होगा। सरकार के 2017 की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए अधिकतम 10 सप्ताह का समय निर्धारित किया गया था। वर्तमान एसओपी के अनुसार, जिन प्रस्तावों को अस्वीकृति के लिए प्रस्तावित किया गया है या जिन पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अतिरिक्त शर्तें लगाने का प्रस्ताव है, उनके विचार के लिए डीपीआईआईटी को अतिरिक्त दो सप्ताह का समय भी दिया जाएगा। डीपीआईआईटी ने कहा, 'इस एस-ओपी का मकसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह कागजरहित बनाना है। इसलिए आवेदक को एफडीआई प्रस्तावों के निपटान के लिए आवश्यक किसी भी दस्तावेज की भौतिक प्रति जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।' डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का एक हिस्सा है जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से संबंधित मुद्दों का निपटारा करता है। एसओपी के अनुसार, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश प्रस्तावों तथा अन्य आवश्यक मामलों में सभी आवेदनों को निर्धारित समय सीमा के भीतर टिप्पणियों/अनुमोदन के लिए विदेश मंत्रालय को भेजा जाएगा। इसमें यह भी कहा गया कि किसी भी प्रस्ताव पर परामर्श के लिए शामिल सभी मंत्रालयों एवं विभागों (जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय शामिल हैं) को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी टिप्पणियां देनी होंगी।

आरबीआई ने बैंकों, एनबीएफसी द्वारा अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए मसौदा नियम जारी किए

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को मसौदा दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) ऋण वसूली की प्रक्रिया में केवल अपव-ादस्वरूप ही अचल संपत्तियों का अधिग्रहण कर सकेंगी। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि विनियमित इकाइयों (आरई) से सामान्य परिस्थितियों में अपेक्षा नहीं की जाती कि वे अपनी नियमित ऋण गतिविधियों के बदले गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों पर कब्जा करें। हालांकि, अपवाद की स्थितियों में, जब ऋण गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) बन जाता है और कानूनी या संविदात्मक उपाय लागू किए जा चुके हों, तो विनियमित इकाइयां (आरई) वसूली रणनीति के तहत गिरवी रखी गई अचल संपत्ति का स्वामित्व अपने हाथ में ले सकती हैं। आरबीआई ने अपने 'निर्दिष्ट गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों पर विवेकपूर्ण मानदंड' मसौदे में कहा कि ऐसी परिसंपत्तियों का नियंत्रित और समयबद्ध निपटान, निष्पक्ष आधार पर किया जाए तो वसूली प्रक्रिया में पारदर्शिता और विवेक बनाए रखते

हुए शुद्ध वसूली को अधिकतम किया जा सकता है। मसौदे के अनुसार, केवल वे ऋण ही इस प्रावधान के अंतर्गत आएंगे जिन्हें एनपीए घोषित किया गया हो और जिनमें अन्य सभी वसूली विकल्पों की जांच कर उन्हें अनुपयोगी पाया गया हो। विशिष्ट गैर-वित्तीय परिसंपत्ति (एसएनएफए) का मतलब वह अचल संपत्ति है जिसे किसी विनियमित संस्था ने उधारकर्ता से अपने दावे के पूर्ण या आंशिक निपटान के बदले में प्राप्त किया हो। इसमें गैर-बैंकिंग परिसंपत्तियां (एनबीए) भी शामिल हैं। मसौदे के मुताबिक, विनियमित संस्थाएं उधारकर्ता पर अपने दावे के पूर्ण या आंशिक निपटान के बदले में विशिष्ट गैर-वित्तीय परिसंपत्तियां प्राप्त कर सकती हैं।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से नीचे ला सकता पश्चिम एशिया संकट: सीआईआई अध्यक्ष

नयी दिल्ली: उद्योग मंडल सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष, समुद्री आपूर्ति में बाधाएं और ऊंची ऊर्जा कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं और देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से नीचे ला सकती हैं। मेमानी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुआ मौजूदा ऊर्जा संकट यदि लंबे समय तक जारी रहता है, तो यह भारत सहित पूरी दुनिया की आर्थिक वृद्धि के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन सकता है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, यदि पश्चिम एशिया का यह संकट समय पर सुलझ जाता है, तो आर्थिक वृद्धि की रफ्तार फिर तेज हो सकती है और यह 6.5 से सात प्रतिशत के बीच रह सकती है। लेकिन यदि यह बहुत लंबे समय तक खिंचता है, तो वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। हालांकि, उन्होंने माना कि जब तक पश्चिम एशिया का संकट समाप्त नहीं होता, तब तक जीडीपी वृद्धि और ब्याज दरों को लेकर स्पष्ट आकलन करना कठिन है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उनके भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के बारे में मेमानी ने कहा, विभिन्न कीमत स्तरों और उनके भारत की वृद्धि पर अलग-अलग प्रभाव के पर्याप्त उदाहरण मौजूद हैं। पिछले 10-12 वर्षों में, बीच-बीच में कुछ अवधियों को छोड़कर, तेल की कीमतें सामान्य रूप से संतुलित रही हैं और इससे भारत को मजबूत आर्थिक वृद्धि हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर की कोई भी कीमत आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करेगी, क्योंकि हम अभी तक अपनी मांग के ढांचे में पर्याप्त बदलाव नहीं कर पाए हैं। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मेमानी ने भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के रुख पर पूछे जाने पर कहा कि ब्याज दरों में निकट भविष्य में कमी की संभावना नहीं है। उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को राहत देने के लिए सरकार से लक्षित उपाय करने की भी वकालत की।

गुजरात के वडिनार में बनेगा अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र, 1,570 करोड़ रुपये का होगा निवेश

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने मंगलवार को गुजरात के वडिनार में 1,570 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस परियोजना को दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड संयुक्त रूप से लागू करेंगे। बयान के मुताबिक, यह परियोजना ब्राउनफील्ड मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिसमें 650 मीटर लंबी गोदी, दो बड़े फ्ल-ोटिंग ड्राई डॉक, कार्यशालाएं और अन्य समुद्री अवसंरचना शामिल होंगी। वडिनार अपनी प्राकृतिक गहराई, प्रमुख समुद्री मार्गों से संपर्क और मुंद्रा एवं कांडला जैसे प्रमुख बंदरगाहों के निकट होने से खासकर बड़े वाणिज्यिक और विदेशी जहाजों की मरम्मत के लिए उपयुक्त माना जाता है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह परियोजना कौशल विकास को बढ़ावा देगी, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगी और क्षेत्र में समुद्री सहायक सेवाओं तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को गति देगी।

।। श्रद्धाञ्जली ।।

ओम् वायुरनिलममृतमथेदं भस्मान्तं शरीरं।
ओं क्रतो स्मर, क्लबे स्मर कृतं स्मर।।

कीर्तिमान व्यक्तित्व श्री दीनदयाल गुप्त

प्रसिद्ध समाजसेवी, आर्य नेता, भामाशाह, धर्म परायण व्यक्तित्व, उदारमना महामूर्ति, आर्य सनातनी संस्कृति रक्षक, अनेकों गुरुकुल एवं गौशालाओं, विभिन्न संस्थाओं एवं जरुरतमन्दों के सम्पोषक, आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल के यशस्वी प्रधान श्री दीनदयाल गुप्त जी ने 2 मई 2026 प्रातः 10 बजे अंतिम श्वांस ली और पार्थिव शरीर को छोड़कर के ईश्वर की व्यवस्था को प्राप्त हो गए।

यशोमूर्ति श्रद्धेय श्री दीनदयाल गुप्त जी वर्षों से आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल महर्षि दयानन्द भवन, 42 शंकर घोष लेन, कोलकाता-700006 के विभिन्न पदों पर मूल स्तम्भ के रूप में विद्यमान रहे, वर्तमान में आप आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल के प्रधान पद को सुशोभित कर रहे थे।

इसके साथ साथ सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के उपप्रधान, महर्षि दयानन्द सरस्वती की उत्तराधिकारिणी-परोपकारिणी सभा अजमेर के ट्रस्टी, दयानन्द सेवाश्रम संघ नर्थ-इस्ट के प्रधान एवं आर्य समाज बड़ाबाजार के प्रधान ट्रस्टी एवं विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्यरत रहे।

बंगाल में गोकरुणानिधि आश्रम गौशाला एवं गुरुकुल दरबार मेला, केशियारी, खड़गपुर के संस्थापक। हरियाणा चैरिटेबल ट्रस्ट-हरियाणा, हरियाणा विद्या मन्दिर ट्रस्ट-हरियाणा, हरियाणा प्राकृतिक चिकित्सालय-भिवानी, मारवाड़ी रिलीफ सोसायिटी-कोलकाता, गुरुकुल ट्रस्ट कोलाघाट के सञ्चालक, सत्यार्थ प्रकाश न्यास्स-उदयपुर के न्यासी, आर्य कन्या महाविद्यालय ट्रस्ट भिवानी के ट्रस्टी, गौमठ गौशाला लेघाबानान हरियाणा के सञ्चालक, प्रान्तीय आर्य वीर दल बंगाल के संरक्षक। आपने बङ्गला भाषा में प्रचारक एवं वैदिक साहित्य के बङ्गला प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार को नई गति प्रदान की।

:: शांति यज्ञ एवं पगड़ी ::

बुधवार, दिनांक 06.05.2026 को
प्रातः 8 बजे से

स्थानः Tirumani Building,
23A, Ashutosh Chowdhary Avenue
Kolkata - 700019
(Near Ballygunge Phari)

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल, महर्षि दयानन्द भवन, 42, शंकर घोष लेन, कोलकाता-06 एवं बंगाल की सभी आर्य समाजें व सभी आर्य संस्थायें।

वर्ष 11, पूर्णांक 3583 अंक 049 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in